सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है

ऑफिस के लिए चाय-नाश्ता, खाना बनाने एवं ऑफिस कार्य हेतु प्यून की आवश्यकता है।

वेतन चार अंकों में ....

पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई

संपर्क : 9827806026, 7869620239

वर्ष- 15 अंक - 54 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 7 दिसंबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

चार दिन से बंद है बिलासपुर नेशनल हाईवे, आवागमन पूरी तरह से ठप; प्रशासन अनजान

कबीरधाम। जिले के ग्राम पोंड़ी से बिलासपुर नेशनल हाईवे सोमवार से बंद है। इस हाईवे का निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य में मिट्टी का उपयोग हुआ है। यही कारण है कि वर्तमान में हो रही बारिश के कारण सड़क में डाली गई मिट्टी कीचड़ में तब्दील हो गई है, जिससे यहां वाहनों का आना-जाना नहीं हो रहा। ऐसी स्थिति में लोगों को 20 किमी अतिरिक्त घूमकर आवागमन करना पड़ रहा है।

कवर्धा, मुंगेली और बिलासपुर जाने के लिए लोगों को दिक्कत हो रही है। मुंगेली मार्ग पर बाघामुड़ा व शीतलदह तक, कवर्धा मार्ग पर पांडातराई के पहले व गंडई मोड़ के आगे कीचड़ से लथपथ है। गंडई मोड़ के आगे ट्रैक्टर व अन्य वाहन कीचड़ में फंस गए थे, जिसके चलते यह सड़क बुधवार को बंद रहा। बिलासपुर व पंडरिया आने-जाने वाले सारंगपुर चौबट्टा, मोहगांव, कुंडा होकर सफर कर रहे है। बारिश के चलते निर्माणाधीन सड़क लगातार बंद हो रही है। सड़क की मरम्मत कर चलने लायक नहीं बनाया जा रहा है। ठेकेदार समेत प्रशासन भी ध्यान नहीं दे रहा है। यहां सड़क निर्माण बीते एक साल से चल रहा है।

छत्तीसगढ़ समेत तीनों राज्यों में नए चेहरों पर लगेगी मुहर, ..लेकिन संशय बरकरार

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

भिलाई। भाजपा संसदीय दल की दिल्ली में हुई बैठक में पीएम मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि चुनावी राज्यों की कमान नए चेहरों के हाथों में होगी। मतलब स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ समेत तीनों राज्यों में भाजपा इस बार पुराने के बजाए नए चेहरों को सामने लाने जा रही है। छत्तीसगढ़ से डॉ. रमन सिंह और मध्यप्रदेश से शिवराज सिंह चौहान के साथ ही राजस्थान से वसुंधरा राजे सिंधिया की ताजपोशी की संभावना अब खत्म होती दिख रही है। कहा जा रहा है कि पार्टी नेतृत्व तीनों राज्यों में भविष्य की तैयारियों के हिसाब से नेतृत्व तैयार करना चाह रहा है। फिलहाल किन चेहरों को राज्यों की बागडोर सौंपी जाएगी, इस पर संशय बरकरार है।

क्या मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा नए चेहरे की लाने का प्लान बना चुकी है? कई दिनों से इस बारे में खबरें चल रही हैं, लेकिन अब इस सवाल का जवाब हां के तौर पर ही मिलता दिख रहा है। दरअसल गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी जब संसदीय दल की मीटिंग में पहुंचे तो उन्होंने तीन राज्यों में जीत का भी जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने जबरदस्त जीत के लिए कार्यकर्ताओं को क्रेडिट दिया और कहा की यह टीम वर्क का नतीजा है। उन्होंने कहा कि हमें टीम वर्क से यह सफलता मिली है और आगे भी इसे बनाकर रखना है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का नाम नहीं लिया। इसके अलावा मध्य प्रदेश के मौजूदा सीएम शिवराज सिंह चौहान को लेकर भी कुछ नहीं कहा। इसके अलावा मध्य प्रदेश की लाडली बहना स्कीम का भी पीएम नरेंद्र मोदी ने जिक्र नहीं किया। ऐसे में माना जा रहा है कि पुराने दिग्गजों की बजाय भाजपा किसी नए चेहरे को ही सीएम बनाएगी। बैठक में मौजूद रहे एक सांसद ने कहा कि राज्यों में सभी कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास से जीत मिली है। पीएम मोदी ने कहा, 'पार्टी की स्थापना से लेकर आज तक समय-समय पर योगदान देने वाले सभी नेताओं की वजह से आज यह स्थिति है। उसी दौर से सामूहिक प्रयास की परंपरा रही है। इस बार भी टीम वर्क के चलते हमें जीत हासिल हुई है।'

एंटी इनकम्बैंसी के सभी दावों को फेल किया

पीएम मोदी ने कहा कि हमने हमेशा ही एंटी-इनकम्बैंसी जैसी चीजों को गलत साबित किया है। इसकी बजाय प्रो-इनकम्बैंसी की स्थिति हमारे काम से बनी है। हमने जनता के हित में योजनाएं चलाई हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान सभी सांसदों से कहा कि वे विकसित भारत यात्रा में शामिल हों। इस यात्रा में शामिल होकर वे लोगों को बताएं कि सरकार ने अब तक उनके लिए क्या स्कीमें चलाई हैं। इसके अलावा लोग कैसे उनका फायदा ले सकते हैं, यह भी बताया जाए। यह यात्रा 25 दिसंबर तक चलेगी। इस दौरान पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भाजपा सरकारों के रिपीट होने का स्ट्राइक रेट 58 पर्सेंट है। जबकि कांग्रेस का स्ट्राइक रेट 17 फीसदी ही है। पीएम मोदी की ओर से किसी नेता का नाम न लेने से साफहै कि तीनों राज्यों में भाजपा किसी नए चेहरे को ला सकती है। इससे पहले उत्तराखंड, गुजरात, हरियाणा जैसे राज्यों में भी यही फॉर्मूला लागू किया गया था।

छत्तीसगढ़ में तस्वीर अब भी है अस्पष्ट

दिल्ली में दो दिनों से चल रही कवायद के बाद भी पार्टी अब तक किसी भी राज्य में नए चेहरा तय नहीं कर पाई है। हर कुछ समय बाद एक नया नाम सामने आने से भाजपा के कार्यकर्ताओं में भी असमंजस के हालात हैं। बताते हैं कि छत्तीसगढ़ का चेहरा आदिवासी और पिछड़ा वर्ग के बीच फंसकर रह गया है। हालांकि यह करीब करीब स्पष्ट हो चुका है कि पार्टी किसी आदिवासी चेहरे पर दाँव लगा सकती है। लेकिन राज्य में ऐसे करीब आधा दर्जन नाम सामने आ रहे हैं। अचानक कभी महिला सीएम की बात होने लगती है। संसदीय दल की बैठक के बाद संभव है कि तीनों राज्यों के लिए पर्यवेक्षक तय किए जाएंगे। ये पर्यवेक्षक रायपुर आकर विधायकों से रायशुमारी करेंगे और उसके बाद नए नेता का ऐलान किया जाएगा। फिलहाल तो छत्तीसगढ़ की तस्वीर पूरी तरह से अस्पष्ट है। भाजपा ने छत्तीसगढ़ से अपने 4 सांसदों को विधानसभा का टिकट दिया था। इसमें से तीन सांसदों को जीत मिली, जबकि एक सांसद विजय बघेल पराजित हो गए थे। दो सांसद अरुण साव और गोमती साय पहले ही सांसद पद से इस्तीफा दे चुके हैं। खबर है कि आज केन्द्रीय मंत्री व राज्यसभा सांसद रेणुका सिंह भी इस्तीफा दे सकती हैं।

हार के बहाने ढूंढती है कांग्रेस- रमन सिंह

इधर, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने एक बार फिर कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस के ईवीएम में गड़बड़ी वाले आरोपों पर कहा कि ईवीएम नहीं कांग्रेस खुद अपनी हार के लिए जिम्मेदार है। रमन सिंह ने कहा, कांग्रेस जहां हारती है, वहां अपनी हार को बर्दाश्त नहीं कर पाती है और हार का कारण ढूंढ़ने लगती है। उन्होंने कहा कांग्रेस को अनुमान लगाने में चूक हुई है। कांग्रेस ने जिस प्रकार 5 साल सरकार चलाई उसके बाद सरकार को जाना ही था। जनता ने पूरे छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार के खिलाफ वोट देकर अपना आक्रोश प्रकट किया है। जनता ने उनके तानाशाही रवैया और अहंकार के प्रति विरोध प्रकट किया है। छत्तीसगढ़ की जनता ने पूरी तरह से कांग्रेस को नकार दिया है। महादेव ऐप और भ्रष्टाचार को लेकर रमन सिंह ने कहा, महादेव ऐप पर इतनी सारी जांच चल रही है। ईडी ने पूरे प्रमाण भी प्रस्तुत किए है। महादेव ऐप या भ्रष्टाचार के दूसरे मामले में जांच में तेजी आएगी।

सांसद अरुण साव और गोमती साय ने दिया इस्तीफा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभ चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने जीत हासिल की है। इस चुनाव में बीजेपी ने कई सांसद को भी टिकट दिया था, जिसमें उन्होंने अपनी सीट पर जीत हासिल की है। विधानसभा चुनाव जीतने के बाद सभी सांसद बुधवार को सांसद पद से इस्तीफा दे दिया हैं। सांसद अरुण साव और सांसद गोमती साय ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अपना इस्तीफा सौंपा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 में भारतीय जनता पार्टी ने लोरमी विधानसभा सीट से सांसद अरुण साव को टिकट दिया था। सांसद साव ने इस सीट पर बीजेपी का परचम लहरा दिया है। वे इस सीट से जीत हासिल कर मुख्यमंत्री पद के रेस में हैं। इसलिए उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के पास अपना इस्तीफ सौंफ दिया है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की और अपना इस्तीफा सौंप दिया।

इसी क्रम में सांसद गोमती साय ने भी विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की है। वो पत्थलगांव विधनासभा सीट से चुनाव लड़ी, जहां बीजेपी प्रत्याशी साय ने चुनाव जीतने में सक्षम रही। वो भी दिल्ली पहुंचकर आज बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के पास अपना इस्तीफा सौंफदिया है।

रेवंत रेड्डी बने तेलंगाना के दूसरे मुख्यमंत्री, 11 मंत्रियों ने भी लिया शपथ

हैदराबाद। कांग्रेस नेता अनुमुला रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। तेलंगाना में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के कैबिनेट में कई मंत्रियों को जगह दी गई है। आज 11 मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें उत्तम कुमार रेड्डी, भट्टी विक्रमार्क शामिल रहे। इसके अलावा श्रीधर बाबू आदि शामिल हैं।

हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी मौजूद रहे। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने रेड्डी को सीएम पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। साल 2014 में आंध्र प्रदेश से अलग तेलंगाना के गठन के बाद रेवंत रेड्डी राज्य के दूसरे मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने चुनाव में मुख्यमंत्री केसीआर की पार्टी बीआरएस को हराया।

हारी हुई कांग्रेस पर बड़ी जिम्मेदारी

श्रीकंचनपथ

2023 के जाते-जाते कांग्रेस को ऐसा झटका लगा है, जिसे भुलाने में वक्त लगेगा। जो पार्टी मतगणना के दिन भी सुबह तक जीत रही थी वह दोपहर तक ऐसे पिछड़ी कि पिछड़ती ही चली गई। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत को छोड़ कर तमाम अनुभवी नेता निपट गए। अब तलाश है एक ऐसे तेजतर्रार अनुभवी नेता की जो सदन में कांग्रेस विधायकों का नेतृत्व कर सके। 2023 में हुए विधानसभा चुनावों का एक पक्ष ऐसा भी है जिसपर अब तक ज्यादा लोगों का ध्यान नहीं गया है। वह यह कि छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में जनता ने सत्ता का संतुलन भी बनाया है। छत्तीसगढ़ में जहां भाजपा के 54 और कांग्रेस के 35 विधायक हैं वहीं मध्यप्रदेश में भाजपा के 163 तो कांग्रेस के 66 विधायक हैं। राजस्थान में 115 सीटें भाजपा को मिली हैं तो कांग्रेस को भी 69 सीटें मिली हैं। अर्थात भाजपा के बाद कांग्रेस ही सबसे बड़ी पार्टी है। लोकतंत्र की सफलता के लिए मजबूत विपक्ष का होना बहुत जरूरी है। जनता ने ग्रैंड ओल्ड पार्टी को इन तीनों राज्यों में चौकीदार की भूमिका सौंपी है। छह महीने में लोकसभा के चुनाव होने हैं। इन राज्यों में सत्तारूढ़ डबल इंजन की सरकारें अपने तकरीबन वायदों को पूरा करने या उसपर काम शुरू करने की कोशिश भी करेंगी। इस हड़बड़ी में गड़बड़ी की गुंजायश भी बहुत होगी। यदि विपक्ष ने ईमानदारी के साथ अपना काम किया तो जनता का भला हो जाएगा। धान खरीदी का एकमुश्त भुगतान और महतारी वंदन योजना डबल इंजन की सरकार के लिए कोई बड़ी बात नहीं होगी। इसे किसान भी जानता था। प्रधानमंत्री आवास योजना एक और बड़ा मुद्दा था जिसे लेकर भाजपा पिछले एक साल से भी ज्यादा समय से मुखर थी। इसके तहत लगभग 270 वर्गफीट के मकानों के लिए सरकारी सहायता मिलेगी। छत्तीसगढ़ में इसके तहत 18 लाख आवास बनाए जाने हैं। गोधन न्याय योजना पर संकट के बादल छाने लगे हैं। पर जो सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा था उसकी अभी चर्चा भी शुरू नहीं हुई है। पिछली सरकार ने तेजी से सरकारी स्कूलों को आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों में तब्दील करने की शुरुआत की थी। इससे एजुकेशन लॉबी में भारी नाराजगी थी। न केवल उनके बच्चे भाग रहे थे बल्कि उनके लिए अपने अनुभवी शिक्षकों को संभालना भी मुश्किल हो चला था। कांग्रेस के लिए अच्छी बात यह है कि उसके स्कूल शिक्षा मंत्री पटेल चुनाव जीत गए हैं। पर अपने पूरे कार्यकाल के दौरान वो मुख्यमंत्री की ओट में ही रहे। कांग्रेस विधायक दल का प्रखर नेतृत्व करने में उन्हें दिक्कतें आ सकती हैं। 14 विधायक पहली बार विधानसभा पहुंचे हैं। ऐसे में कांग्रेस को शिद्दत से जरूरत है एक ऐसी चेहरे की जो भले ही ज्यादा अनुभवी न हो पर उसमें सीखने का माद्दा हो और किसी से भी टकरा जाने की हिम्मत। ऐसा चेहरा देवेन्द्र यादव का भी हो सकता है।

संपादकीय

कश्मीर में बदलाव

जम्मू-कश्मीर के शासन-प्रशासन में सुधार का क्रम जारी है और इसी कड़ी में लोकसभा में दो संशोधन विधेयकों का पारित होना सुखद व स्वागतयोग्य है। देश के अनुरूप इस केंद्रशासित प्रदेश को मुख्यधारा में लाने के तमाम प्रयास जरूरी हैं। जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक के पारित होने से इस क्षेत्र के प्रतिनिधित्व में विस्तार होगा। कश्मीरी प्रवासी समुदाय के दो प्रतिनिधि और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से विस्थापित लोगों का भी एक प्रतिनिधि केंद्रशासित प्रदेश की विधानसभा में नामित किया जाएगा। यह बात छिपी नहीं है कि विगत वर्षों में बड़ी संख्या में लोग जम्मू-कश्मीर से पलायन करने को मजबूर हुए हैं। यह संख्या एक से तीन लाख तक बताई जाती है। पलायन करने वालों में पंडितों की संख्या सबसे ज्यादा है। जो एक बार घाटी से निकले, तो फिर लौट न पाए। बड़ी संख्या में ऐसे कश्मीरी पंडित हैं, जो कभी कश्मीर जाने की हिम्मत नहीं कर सके। ऐसे लोगों के बीच से जब प्रतिनिधि विधानसभा के लिए नामित होंगे, तो जाहिर है, वंचितों-शोषितों को एक आधिकारिक आवाज मिलेगी, अपनी विधानसभा में उनका दर्द भी दर्ज होगा। अतः यह एक बड़ी जरूरी राजनीतिक-सामाजिक पहल है, इससे अलगाववादियों को भी मुंहतोड़ जवाब मिल सकेगा। इसके अलावा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का भी एक प्रतिनिधि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नामित होगा। जाहिर है, इसमें ऐसे कश्मीरी नेताओं को आवाज मिलेगी, जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के हैं और कहीं बाहर रहने को मजबूर हैं। पाक अधिकृत कश्मीर को वापस लेने के संकल्प के मद्देनजर यह पहल महत्वपूर्ण है। वास्तव में, विधानसभा में कश्मीरी पंडितों और पाक अधिकृत क्षेत्र के कश्मीरियों की आवाज के बिना जम्मू-कश्मीर की बात पूरी नहीं होती थी। देखने में ये कदम छोटे लग सकते हैं, लेकिन इनका प्रभाव विशेष रूप से घाटी की राजनीति पर पड़ना तय है। अब यह सरकारों पर निर्भर करेगा कि जम्मू-कश्मीर की विधानसभा में योग्यतम प्रतिनिधित्व पहुंचे और शांति-समाधान की दिशा में काम करे। कोरी राजनीति से अलग कश्मीर के व्यापक हित के बारे में सोचने का समय है। वहां धीरे-धीरे सामान्य हो रही स्थितियों को हर प्रकार से सकारात्मक बल देना होगा। आंकड़े गवाह हैं और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूरे तथ्यों के साथ लोकसभा में बताया है कि पहले और आज के कश्मीर की जमीनी हकीकत में बहुत बदलाव आया है। कश्मीर में जनजीवन जैसे-जैसे सामान्य हो रहा है, उससे सरकार की भी उम्मीदें बढ़ रही हैं।

> कश्मीर में ही बड़ी संख्या में ऐसी जातियां रही हैं, जो आरक्षण या किसी भी प्रकार की विशेष सहूलियतों से वंचित हैं, ऐसी तमाम जातियों को विधिवत आरक्षण देकर आगे बढ़ाना कश्मीर के लिए लाभप्रद है। अब पिछड़े गांवों में रहने वाले सामाजिक और शैक्षिक रूप से वंचित लोगों व नियंत्रण रेखा के करीब रहने वालों को भी आरक्षण मिल सकेगा। जाहिर है, हम नए विकासशील कश्मीर की ओर बढ़ रहे हैं।

साथ ही, जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक के जरिये कश्मीर में आरक्षण का वही स्वरूप हो जाएगा, जो बाकी देश में है। देश में एक विधान, एक निशान, एक प्रधान के अनुरूप ही आरक्षण में एकरूपता जरूरी है। पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ देना जरूरी है, ताकि चंद लोगों का परंपरागत वर्चस्व टूट जाए। कश्मीर में ही बड़ी संख्या में ऐसी जातियां रही हैं, जो आरक्षण या किसी भी प्रकार की विशेष सहूलियतों से वंचित हैं, ऐसी तमाम जातियों को विधिवत आरक्षण देकर आगे बढ़ाना कश्मीर के लिए लाभप्रद है। अब पिछड़े गांवों में रहने वाले सामाजिक और शैक्षिक रूप से वंचित लोगों व नियंत्रण रेखा के करीब रहने वालों को भी आरक्षण मिल सकेगा। जाहिर है, हम नए विकासशील कश्मीर की ओर बढ़ रहे हैं।

साम्प्रदायिकों को चेतावनी

भारत के उप-प्रधानमंत्री सरदार पटेल ने ग्वालियर की सार्वजनिक सभा में साम्प्रदायिकतावादियों को जो चेतावनी दी है, वह सर्वथा सामयिक है। जब से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संचालक श्री गोलवलकर को पुन नजरबन्द किया गया है, तब से ऐसी अफवाहें प्रचारित की जा रही हैं कि संघ के अनुयायी सरकार के विरुद्ध सत्याग्रह प्रारम्भ करने की तैयारियां कर रहे हैं। सत्याग्रह एक नैतिक अस्त्र है और उसका उपयोग किसी न्यायोचित बात के लिए ही किया जा सकता है। सत्याग्रह का आविष्कार महात्मा गांधी ने किया था और उसकी पहली आवश्यक शर्त उन्होंने यह बताई थी कि सत्याग्रही को अपने पक्ष के औचित्य में अगाध श्रद्धा होनी चाहिए। ऐसी श्रद्धा आत्मशुद्धि के बिना नहीं हो सकती। सत्याग्रही ऐसी श्रद्धा के बल पर ही चाहे जैसे कष्ट सहन कर सकता है और आत्म-त्याग और कष्ट-सहन द्वारा अपने प्रतिपक्षी का हृदय परिवर्तन करने की आशा रख सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास को देखते हुए हम यह एक क्षण के लिए भी मानने को तैयार नहीं हो सकते कि उसकी विचारधारा को मानने वाले सत्याग्रह के नैतिक अस्त्र का उपयोग कर सकते हैं। सरदार पटेल ने ठीक ही कहा है कि जिन लोगों के दिल में द्वेष भरा है, उन्हें सत्याग्रह प्रारम्भ करने में कभी सफलता नहीं मिल सकती।

हम मान सकते हैं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुयायी कानून की अवहेलना कर सकते हैं अर्थात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर जो प्रतिबन्ध लगा हुआ है, उसको तोड़ सकते हैं। किन्तु इस उपाय का अवलम्बन करना आत्मघातक होगा। कानून भंग का कोई भी आंदोलन आज अशान्ति ही उत्पन्न कर सकता है और जब देश संकटकालीन अवस्था में से गुजर रहा है, तब अशांति और अव्यवस्था फैलाने वाले किसी कार्य को सहन नहीं किया जा सकता। सरदार पटेल ने समय से पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वालों को चेतावनी दे दी है कि अगर उन्होंने देश की शान्ति और व्यवस्था में गड़बड़ी पैदा करने की कोशिश की तो उनकी चुनौती का मुकाबला करने के लिए सरकार के पास आवश्यक साधन मौजूद हैं। संघ के अनुयायियों को सरदार पटेल की इस चेतावनी पर शान्ति और गम्भीरता से विचार करना चाहिए। वे अगर जल्दबाजी में कोई कदम उठाएंगे, तो इसके लिए उन्हें पछताना पड़ेगा।

इंडिया गठबंधन का संकट

विधानसभा चुनावों के दौर में ऐसा लगा कि इंडिया एलायंस को एक तरह से अवकाश पर भेज दिया गया है। अब जबकि उसे छुट्टी से वापस बुलाया जा रहा है, तो वह चोटिल अवस्था में है। इसका असर आज गठबंधन की बैठक में दिखेगा। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन को ठेंगे पर रखा। तो अब बारी उसकी कीमत चुकाने की है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत के बाद हवा में उछल रही कांग्रेस की गणना संभवतः यह थी कि पांच विधानसभा के चुनाव में भी बेहतर प्रदर्शन करने के बाद उसकी हैसियत इतनी बढ़ जाएगी कि वह इंडिया गठबंधन के अंदर अपनी शर्तें थोप सकेगी। चूंकि उसका प्रदर्शन बदतर रहा, तो अब स्वाभाविक है कि गठबंधन में शामिल दूसरे दल उस पर अपनी शर्तें थोपने की तैयारी में हैं। तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने खुल कर कांग्रेस के अहंकार की चर्चा की है। दूसरी तरफ जनता दल (यू) की तरफ से मांग उठा दी गई है कि अब 2024 के चुनाव में नीतीश कुमार को इंडिया गठबंधन का चेहरा घोषित किया जाए। इस सारे घटनाक्रम का सार यह है कि विपक्षी दल फिलहाल दिमाग भाजपा के खिलाफ रणनीति बनाने से ज्यादा अपने गठबंधन के भीतर अपनी हैसियत बढ़ाने और जताने में लगाए हुए हैं। यह उनमें उद्देश्य की एकता के अभाव का एक सूचक है। अगर ऐसी एकता की भावना होती, तो निर्विवाद रूप से कांग्रेस राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में इंडिया में शामिल दलों को सीट बंटवारे में एडजस्ट करती। ऐसा होता, तो हार की अवस्था में भी यह गठबंधन एक बेहतर जमीन पर नजर आता।

> 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दस वर्ष होंगे। यह एक देश के नव-निर्माण के लिए बेहद कम समय है, परंतु इतने कम समय में ही उन्होंने जो कर दिखाया है, वह पूरे विश्व के लिए मिसाल है। 2024 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में और स्थिरता, मजबूती आएगी, जो स्वर्णिम भारत के स्वप्न की पूर्ति के और करीब ले जाएगा।

मोदी युग में जारी रहेगा वंचितों का विकास

ज्योतिरादित्य सिंधिया, नागर विमानन मंत्री

भारत ने पिछले नौ वर्ष में बदलाव की ऐसी लहर देखी है, जिसे केवल 'विकास' की परिभाषा में सीमित नहीं किया जा सकता। यह आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और भारत की एक नई पहचान की लहर है, जो अब दुनिया की सबसे विशाल महाशक्तियों के तट तक पहुंच चुकी है। इस सफर के एक ऐसे निर्देशक हैं, जिनके दूरदर्शी नेतृत्व में यह सिद्ध हो गया है कि लोकतंत्र में एक राष्ट्र का जन्म सिर्फ तब नहीं होता, जब वह आजाद होता है, बल्कि तब भी होता है, जब वह विकास के नए आयाम हासिल करता है।

26 नवंबर,1949 को जब बाबासाहेब आंबेडकर सहित अन्य विद्वानों ने नागरिकों के अधिकार और कर्तव्यों को जीवित रखने के लिए देश को संविधान सौंपा, तब उनकी एक ही सोच थी कि यह स्वतंत्र भारत सबके लिए समान हो। इसी सोच को मूर्त रूप देने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार ने उन वर्गों, समाज व क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया, जिन्हें दशकों तक दरकिनार रखा गया था। उनकी जरूरतों को समझकर उन्हें देश की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए न सिर्फ योजनाओं द्वारा, बल्कि सांविधानिक बदलाव करके सशक्त करने की उल्लेखनीय कोशिश प्रधानमंत्री द्वारा की गई है।

पूर्वोत्तर से पूर्वोदय का सफर भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र, देश की सांस्कृतिक विविधता और प्रतिभा का प्रतीक है। इस क्षेत्र को आजादी के छह दशकों तक कभी भी अपनी आशाओं को पूरा करने के अवसर नहीं मिले थे, पुरानी सरकारों की नाकाम नीतियों से पूर्वोत्तर और वहां के लोगों को देश में हो रहे विकास से वंचित रखा गया था। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद से ही नरेंद्र मोदी ने इस क्षेत्र को उसके वास्तविक रूप में पहचान दिलाने का संकल्प लिया। इसके चलते पिछले नौ वर्ष में सात नए हवाईअड्डों का निर्माण हुआ और 4,016 किलोमीटर की सड़क परियोजनाओं पर काम चल रहा है। 2014 से पहले पूर्वोत्तर का जो रेल बजट केवल 2,500 करोड़ रुपये था, आज चार गुना ज्यादा 10,000 करोड़ रुपये का है। वहां के किसानों को सशक्त बनाया जा रहा है। ऑर्गेनिक खेती के लिए वैश्विक केंद्र बनाए जा रहे हैं व राष्ट्रीय बांस मिशन से बांस उद्योग को बढ़ावा मिल रहा है। जिस क्षेत्र को 65 वर्षों तक भारत के सबसे दूर का छोर माना गया था, उसे अब अधोसंरचना, व्यापार, पर्यटन और रोजगार का 'एंट्री पॉइंट' बनाया गया है।

नारी शक्ति से सशक्तीकरण का सफर बाबासाहेब आंबेडकर कहते थे, 'किसी भी समाज की प्रगति का आकलन महिलाओं की तरक्की से किया जाता है।' इसे आत्मसात कर मोदी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि स्त्रियों को न सिर्फ आर्थिक मजबूती मिले, बल्कि देश का नेतृत्व करने का अधिकार भी मिले। जिस देश में महिला अधिकार का नारा लगाते-लगाते एक पार्टी ने छह दशक लगा दिए, वहां महिला आरक्षण के लंबित विधेयक को कानून बनाने का कार्य नरेंद्र मोदी सरकार ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के जरिये किया है। बहनों का जीवन सरल और सुखद बनाने के लिए हमारी सरकार उज्ज्वला योजना के तहत 9.6 करोड़ बहनों को धुआं मुक्त रसोई गैस दे रही है और प्रधानमंत्री जन-धन योजना की 56 प्रतिशत खाताधारक महिलाएं हैं। हमारे देश में 15 प्रतिशत पायलट महिलाएं हैं, जो वैश्विक औसत पांच प्रतिशत से तीन गुना ज्यादा है और हाल में प्रधानमंत्री ने 1,261 करोड़ रुपये की ड्रोन दीदी योजना की शुरुआत की है, जिससे स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के हाथ में अब बदलाव का एक नया यंत्र 'ड्रोन' होगा। मैंने स्वयं राजगढ़ जाकर स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार पर स्वयं सहायता समूहों के सकारात्मक प्रभाव को अनुभव किया था। ये इतने सफल सिद्ध हुए हैं कि देश भर में जहां 2014 में केवल 2.3 करोड़ महिलाएं स्वयं सहायता समूहों की सदस्य थीं, आज यह संख्या नौ करोड़ से अधिक है। अब महिलाएं देश के निर्माण में अपना पूर्ण योगदान देने के लिए सक्षम हो चुकी हैं।

वंचितों का मुख्यधारा तक का सफर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंचित वर्गों की स्थिति बदल दी है। आज केंद्रीय मंत्रिमंडल में 60 प्रतिशत मंत्री एससी, एसटी या ओबीसी समाज से हैं। आजादी के सात दशक बाद पहली बार नीतिगत स्तर पर प्रभावशाली निर्णय लिए गए हैं, जैसे ओबीसी समाज की पहचान न खो जाए, इसके लिए 2021 ओबीसी बिल पास कर 127वां संविधान संशोधन किया गया, जिससे राज्यों को खुद की ओबीसी सूची बनाने की शक्ति मिली है। पिछड़े वर्गों के विकास की माला जपने वाले कुछ दलों की कार्यशैली के विपरीत, यह कदम भाजपा सरकार की कथनी-करनी में एकरूपता का बड़ा उदाहरण है।

पूर्व में विकास के दिशाहीन दृष्टिकोण के विपरीत, मोदी सरकार ने समग्र विकास की संस्कृति को अपनाया है। दिव्यांगजन, वंचित, गरीब या ऐसे अन्य समूहों को सशक्त बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। जहां 81 करोड़ गरीबों को मुफ्त अनाज देने वाली पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना को आने वाले पांच वर्ष के लिए स्वीकृत किया गया है, वहीं विश्वकर्मा योजना जैसी पहल से वंचित समुदाय को नई शक्ति और सम्मान दिया गया है। इसी प्रकार जो जनजातीय समुदाय 65 वर्ष तक विकास से वंचित थे, आज वह भारत को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय दिवस के रूप में मनाने से लेकर आदिवासी संस्कृति को विश्व स्तर पर मान्यता देने का कार्य प्रधानमंत्री ने किया है।

प्रधानमंत्री न सिर्फ समस्याओं पर चर्चा करते हैं, बल्कि उन्हें चिह्नित कर विकास की नई राह बनाते हैं। इसका एक उदाहरण, देश के 115 पिछड़े जिलों और प्रखंडों को चिह्नित करने की उनकी सोच भी है। ये परियोजनाएं इतनी सफल रही हैं कि दुनिया में विकास के मॉडल की चर्चा करने वाले इससे सीखकर अन्य देशों में लागू करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

सबका विकास, सबके लिए विकास आज जब एक मंच से प्रधानमंत्री कहते हैं कि 'मेरे लिए देश की सबसे बड़ी जाति उसके युवा, महिलाएं और गरीब हैं और इस देश के संसाधनों पर सबसे अधिक हक हमारे गरीबों का है', तब इस बात की पुष्टि होती है कि देश सर्व समाज के उत्थान व युवाओं की महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति करने वाली विचारधारा के साथ आगे बढ़ रहा है। 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दस वर्ष होंगे। यह एक देश के नव-निर्माण के लिए बेहद कम समय है, परंतु इतने कम समय में ही उन्होंने जो कर दिखाया है, वह पूरे विश्व के लिए मिसाल है। 2024 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में और स्थिरता, मजबूती आएगी, जो स्वर्णिम भारत के स्वप्न की पूर्ति के और करीब ले जाएगा।

(लेखक के अपने विचार हैं)

तटीय इलाकों को फिर रुला गया एक चक्रवाती तूफान

के जे रमेश, पूर्व महानिदेशक, भारतीय मौसम विभाग

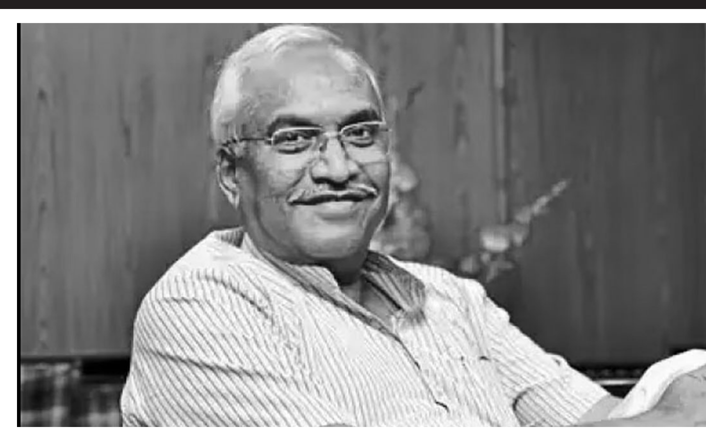

मिचौंग चक्रवात जब तमिलनाडु के तट से 80-100 किलोमीटर दूर केंद्रित था और व्यापक असर डाल रहा था, तभी करीब 400 किलोमीटर दूर मेरे शहर बेंगलुरु में भी ठंडी-ठंडी हवा चलने लगी थी। 3 दिसंबर को चेन्नई में सबसे ज्यादा बारिश हुई, तो 3 और 4 दिसंबर को यहां भी रुक-रुककर बारिश होती रही, जबकि बेंगलुरु कर्नाटक का हिस्सा है। फिर जैसे-जैसे तूफान उत्तर की ओर बढ़ा, चित्तूर, कडपा, अन्नतपुरामु, अमरावती, नेल्लोर, रायलसीमा जैसे तमाम इलाकों में बारिश होने लगी। जिस तरह शुरुआत में तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, पुडुचेरी जैसे तटीय इलाकों में मिचौंग का असर रहा, और बाद में यह सुदूर इलाकों में पहुंचा, वैसे ही अब कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के सुदूर इलाकों में बारिश हो रही है।

वास्तव में, मानसून के बाद के मौसम, यानी 'पोस्ट-मानसून' में बंगाल की खाड़ी में चक्रवात आते रहे हैं। हालांकि, यह अक्तूबर व नवंबर महीने में ज्यादा दिखता था, जबकि दिसंबर में काफी कम। मगर अब दिसंबर में भी इनकी निरंतरता बढ़ सकती है, जिसकी एक बड़ी वजह है, सागर का गरम होना। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से समुद्रों में गरमी अवशोषित करने की क्षमता बढ़ गई है, ठीक हमारी आबोहवा की तरह, जो अब ज्यादा गरमी अवशोषित करने लगी है। इस कारण जब कभी चक्रवात या दबाव का क्षेत्र बनता है, तो समुद्री ऊर्जा उसे ज्यादा मारक बना देती है। इस बार पिछले एक महीने से बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र लगातार बन रहा था। अल-नीनो वर्ष में उत्तर-पूर्व मानसून के असामान्य होने की बात भी कही जा रही थी। इन सबका ही एक नतीजा मिचौंग चक्रवात है। तमिलनाडु में सिर्फ चेन्नई के इलाकों में 1 से 4 दिसंबर के बीच कई जगहों पर 50 से 60 सेंटीमीटर तक बारिश हुई, जो काफी ज्यादा है।

इस तूफान ने मछुआरों के अलावा दक्षिण के किसानों को भी काफी नुकसान पहुंचाया है। यह खरीफ की कटाई का मौसम है। खेतों में धान की फसल अंत में हफ्ते-डेढ़ हफ्ते सूखने के लिए छोड़ दी जाती है। मगर इस तूफान ने धान की बालियों को जमीन पर गिरा दिया है। गोदावरी, कावेरी, कृष्णा, नेल्लोर जैसे आंध्र प्रदेश व तमिलनाडु के तटवर्ती इलाकों के डेल्टा क्षेत्र धान के लिए प्रसिद्ध रहे हैं। मगा यहां के किसानों के हाथ सिवाय मायूसी के कुछ भी नहीं है। इसी तरह, यहां नारियल, पपीता, केले, सब्जी और फूलों की भी काफी खेती होती है। विशेषकर कृष्णा, गोदावरी जिलों में इन फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। अब तो तेलंगाना में भी किसानों को चक्रवाती बारिश चोट पहुंचा रही है।

क्या ऐसे तूफानों से बचा जा सकता है? जाहिर है, सबसे पहले हमें जलवायु परिवर्तन से निपटना होगा और ऐसे उपाय करने होंगे कि ग्लोबल वार्मिंग कम से कम असरंदाज हो सके। कार्बन-उत्सर्जन का हरसंभव प्रबंधन करना होगा। मगर कुछ प्रयास तत्काल किए जा सकते हैं। मिसाल के तौर पर, चक्रवात के बनने का पूर्वानुमान, यानी साइक्लोजेनेसिस न सिर्फ समय पर प्रसारित हो, बल्कि निचले स्तर तक यह सूचना जाए। अभी आमतौर पर हफ्ते में एक बार यह सूचना जारी की जाती है, पर यदि अक्तूबर से दिसंबर तक के महीने में करीब दस दिन पहले यह सूचना आ जाए, तो किसानों को अपनी खड़ी फसल को काटने या उसके प्रबंधन का कुछ वक्त मिल जाएगा। इसके लिए, कृषि विभाग और मौसम विभाग के समन्वय से एक तंत्र बनाना चाहिए, जो ठीक उसी तरह का तंत्र हो सकता है, जैसे अभी आपदा प्रबंधन का है। आपदा प्रबंधन के तहत जैसे ही किसी आपदा की सूचना आती है, तो जिन-जिन इलाकों में जान-माल के प्रभावित होने की आशंका होती है, वहां के लोगों व मवेशियों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया जाता है।

प्रभावित इलाकों में आश्रय गृह भी बनाए जाने चाहिए। दरअसल, तटवर्ती इलाकों में मछुआरों का रहना मजबूरी भी है, इसलिए गांव में पक्का मकान होने के बावजूद यहां वे कच्चे मकानों में रहते हैं। अगर चक्रवात की सूचना मिलते ही उनको 'शेल्टर हाउस' भेज दिया जाए, जो विशेष तौर पर चक्रवात के खिलाफ बनाए गए हों, तो इंसानी जान का नुकसान हम काफी कम कर सकते हैं। इसके लिए भी समग्र प्रयास की दरकार होगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कांग्रेस बैठाती है मैनेजरों को सिर पर!

अजीत द्विवेदी

उत्तर भारत में क्यों कर कांग्रेस डूबी-1: किंवदंती की तरह दिल्ली के राजनीतिक जानकारों में चर्चा रही है कि 2014 में लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी चुनाव जीत गए तो उनके सलाहकार मैनेजर प्रशांत किशोर ने अपना भविष्य जानने के लिए अमित शाह से बात की। उन्होंने उनसे पूछा कि मई के बाद क्या होगा? इस पर अमित शाह का टका सा जवाब था- जून होगा! यह बात भाजपा की ओर से प्रचारित हुई होगी। पर इससे जाहिर हुआ कि चुनाव में सर्वेक्षण करने वाले, चुनाव प्रबंधन का काम करने वाले, नारे गढ़ने और आकर्षक पोस्टर-बैनर-हार्डिंग बनवाने वाले या जनता के दिमाग में क्लिक होने वाले आइडिया देने वाले मैनेजरों और उनकी कंपनियों की राजनीतिक व्यवस्था में क्या जगह है। उन्हें किस हैसियत में रखा जाना चाहिए। निश्चित ही प्रशांत किशोर चुनाव प्रबंधन विधा में भारत के न्यूमेरो उनो हैं। गुरू हैं। लेकिन मोदी-शाह और भाजपा के सेटअप में, उसकी राजनीतिक व्यवस्था में चुनाव का काम खत्म होने के बाद प्रशांत किशोर को दूध में मक्खी की तरह बाहर फेंकने की वास्तविकता बहुत कुछ बताती है। भाजपा ने प्रशांत किशोर को न सिर पर बैठाया और न उनको हटाने के बाद मोदी-शाह का चुनावों में जीतना घटा।

इसके उलट कांग्रेस प्रशांत किशोर की लीक पर बने चुनावी मैनेजरों को ठेके देती है, उन्हें सिर पर बैठाती है और उन पर निर्भर हो कर एक के बाद एक चुनाव हार रही है। हाल में प्रशांत किशोर के सहयोगी रहे सुनील कनुगोलू ने कर्नाटक में कांग्रेस के लिए चुनाव प्रबंधन किया। और कर्नाटक में पार्टी जीती तो सुनील कनुगोलू न केवल कर्नाटक के मुख्यमंत्री के सलाहकार हो गए है, बल्कि वे कैबिनेट मंत्री का दर्जा ले कर कांग्रेस मुख्यालय में भी सुपर बॉस जैसी हैसियत में हैं। वे कर्नाटक में मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री से नीचे किसी से बात नहीं करते हैं। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में उन्होंने मध्य प्रदेश और तेलंगाना में कांग्रेस के लिए सर्वेक्षण और चुनाव प्रबंधन का काम किया। मध्य प्रदेश में उन्होंने संभावित उम्मीदवारों की जीत-हार के बारे में आकलन किया। उनकी रिपोर्ट से कमलनाथ-दिग्विजय सिंह अपनी तैयारियों, अपनी उम्मीदवार सूची को लेकर भ्रमित हुए। कमलनाथ जब सर्वे करने वाली अपनी टीमों की फीडबैक पर अड़े तो कलह हुई। तभी नैरेटिव बना कि कमलनाथ अहंकारी हैं और वे किसी की नहीं सुन रहे। दिग्विजय सिंह भी उनके आगे लाचार हैं।

जाहिर है मध्य प्रदेश में एक तरफ कमलनाथ ने सर्वे करने और चुनाव प्रबंधन करने वाली एजेंसियों को सिर पर बैठा रखा था तो दूसरी ओर कांग्रेस आलाकमान ने कमलनाथ के सिर पर सुनील कनुगोलू को बैठाना चाहा। कमलनाथ अहंकार से भरे हुए तो चुनाव मैनेजर भी अहंकार में।

ऐसा ही राजस्थान में था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दशकों के अपने चुनावी अनुभवों, राजनीतिक विवेक को ताक में रख कर एक ऐसे मैनेजर से चुनाव प्रबंधन कराया, जिसको लेकर एआईसीसी, राहुल गांधी, सुनील कनुगोलू सब पहले से बिदके हुए थे। मगर गहलोत ने अपने पीए शशिकांत और एआईसीसी में पवन खेड़ा, प्रभारी सुखजिंदर रंधावा आदि की लॉबिंग से नरेश अरोड़ा की डिजाइन बॉक्स्ड को अपनी राजनीति सुपुर्द की। जबरदस्ती प्रदेश कांग्रेस कमेटी से उसका चुनाव ठेका करवाया। गहलोत के लिए काम शुरू करने से पहले अरोड़ा को लेकर हवा बनाई गई कि वहीं कर्नाटक में कांग्रेस की जीत का सूत्रधार हैं। एक तरफ कर्नाटक की जीत का श्रेय सुनील कनुगोलू ले रहे थे तो दूसरी ओर गहलोत के कान में नरेश अरोड़ा की महानता का बखान।

जीवन के निहितार्थ समझिए

जीवन के बारे में यंत्रवादी मत यह है कि मनुष्य चूंकि अपने वातावरण तथा विविध प्रतिक्रियाओं का परिणाम मात्र है, जो केवल इंद्रियों द्वारा ही प्रत्यक्ष हो सकता है, इसलिए वातावरण और प्रतिक्रियाएं एक ऐसी बुद्धिसंगत प्रणाली से नियंत्रित होनी चाहिए, जिसमें व्यक्ति को केवल बने-बनाए ढांचे के भीतर ही कार्य करने की अनुमति हो। जीवन के प्रति इस यंत्रवादी दृष्टि के पूरे निहितार्थ को समझ लीजिए।

यह मत किसी परम, लोकोत्तर सत्ता की कल्पना नहीं करता है, ऐसा कुछ नहीं है, जो निरंतर बना रहे; यह मृत्यु के बाद किसी प्रकार के जीवन को स्वीकार नहीं करता है; इसके अनुसार जीवन और कुछ नहीं, बस एक अल्प-अवधि है, जो पूरी तरह मिट जाने की ओर अग्रसर है। चूंकि मनुष्य पर्यावरणीय प्रतिक्रियाओं के परिणाम के अतिरिक्त कुछ नहीं है, उसका संबंध बस अपनी स्वार्थपूर्ण सुरक्षा से है, इसलिए शोषण, क्रूरता तथा युद्ध के तंत्र की निर्मिति में उसका योगदान रहा है। इसलिए उसके क्रिया-कलापों को परिवेश के परिवर्तन व नियंत्रण से ही संचालित करना पड़ेगा।

फिर वे लोग हैं, जो इस मत को स्वीकार करते हैं कि मनुष्य सारभूत रूप से दिव्य है। उसकी नियति किसी परम प्रज्ञा द्वारा नियंत्रित व निर्देशित है। ऐसे लोग दावा करते हैं कि वे ईश्वर, पूर्णता, स्वतंत्रता, आनंद, अस्तित्व की एक ऐसी अवस्था की खोज कर रहे हैं, जिसमें सभी व्यक्तिपरक अंतर्द्वंद्व मिट जाते हैं। मनुष्य के भाग्य को निर्देशित करने वाली सर्वोच्च सत्ता में उनका विश्वास आस्था पर आधारित है। वे कहेंगे कि इस लोकोत्तर सत्ता या उच्चतम प्रज्ञा ने ही संसार का निर्माण किया है। व्यक्ति अपने आपमें शाश्वत है व उसमें नित्यता का गुण है।

कभी आप सोचते हैं कि जीवन यांत्रिक है तथा कई अवसरों पर, जब दुख और असमंजस घेर लेते हैं, तब आप आस्था की ओर लौट आते हैं, मार्गदर्शन और सहायता के लिए किसी परम सत्ता की ओर ताकने लगते हैं। आप इन दो विपरीत ध्रुवों के बीच डोलते रहते हैं, जबकि इन विपरीत ध्रुवों के भ्रम को समझकर ही आप स्वयं को सीमाओं तथा रुकावटों से मुक्त कर सकते हैं। आप प्राय कल्पना कर लेते हैं कि आप इनसे मुक्त हैं, किंतु आप उनसे मूलभूत रूप से मुक्त ही तभी हो पाते हैं, जब आप इन सीमाओं के निर्माण की पूरी प्रक्रिया को समझ लेते हैं और इनका अंत कर देते हैं। आप यथार्थ को, 'जो है' उसे तब तक उसकी व्यापकता में नहीं समझ सकते, जब तक अज्ञान की अनादि प्रक्रिया जारी है। जब यह प्रक्रिया थम जाती है, जिसने अपनी लालसा की ऐच्छिक गतिविधियों से स्वयं को बनाए रखा था, तब वह विद्यमान होता है, जिसे कोई चाहे तो यथार्थ कहे, सत्य कहे या फिर परमानंद!

जे कृष्णमूर्ति

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

कलेक्टर ने फसल बीमा रथ को दिखाई हरी झण्डी

कांकेर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना रबी मौसम 2023-24 के लिए जिले में 12 दिसम्बर तक फसल बीमा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। जिले के किसानों को फसल बीमा योजना के प्रति जागरूक करने एवं बीमा आवरण की परिधि में शामिल करने के लिए कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बुधवार को फसल बीमा रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान जिले के बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि नोडल अधिकारी, कृषि के उप संचालक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

गरियाबंद में खुलेंगीं 10 नई आंगनबाड़ी

गरियाबंद। गरियाबंद जिले को 10 नवीन आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। जिले से विशेष आवश्यकता वाले व जनसंख्या एवं वहां के क्षेत्रों की मांग के अनुरूप नवीन मिनी व मुख्य आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने हेतु प्रस्ताव संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग को प्रेषित किया गया था। जिसमे से अभी 10 नवीन केन्द्र खोलने की अनुमति प्राप्त हुई है। 10 नवीन केन्द्रों का चिन्हांकन सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर सर्वप्रथम क्षेत्र की जनसंख्या के आधार पर चयन किया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग गरियाबंद ने बताया कि 10 नवीन आंगनबाड़ी केन्द्रों में गरियाबंद विकासखण्ड से मजरकट्टा 03, धवलपुर (टीकरापारा), खरता (मंदिरपारा) शामिल है। इसी प्रकार मैनपुर विकासखण्ड से खरीपथरा (मुड़ापारा), कोदोमाली (खलिया डोंगरीपारा), भाठापानी (कमारपारा) एवं चिपरी शामिल है। देवभोग विकासखण्ड से गिरसूल (कश्यपपारा), सितलीजोर (दरलीपारा) एवं चिचिया (पुजारीपारा) शामिल है। इन सभी 10 नवीन केन्द्रों को खोलने हेतु स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इन केन्द्रों का संचालन अतिशीघ्र प्रारंभ करने का निर्देश परियोजना अधिकारियों को दिया गया है। साथ ही इन केन्द्रों में कार्यकर्ता एवं सहायिका की भी भर्ती की कार्यवाही किए जाने के निर्देश संबंधितों को दिए गए है।

फसल बीमा कराओ, सुरक्षा कवच पाओ...

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना रथ को दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। कलेक्टर पी.एस.एल्मा ने कलेक्ट्रेट परिसर में आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर "फसल बीमा सप्ताह" में 6 दिसम्बर को छठवें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना फसल बीमा सप्ताह के तहत तीन प्रचार वाहन रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये प्रचार वाहन रथ ज़िले के कम बीमा आवरण वाले क्षेत्रों में रबी फसल नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में फसल बीमा कराओं सुरक्षा कवच पाओ का प्रचार कर किसानों को फसल बीमा के लिए जागरूक करेंगे। कलेक्टर ने फसल बीमा में सेल्फ़ी खिचवाई।

कलेक्टर ने कहा कि जिले के पात्र किसानों ने अब तक मौसमी रवि वर्ष 2023-24 हेतु अधिसूचित फसलें चना, अलसी, गेहूं,-सिंचित, गेहूं-सिंचित,गेहूं-असिंचित, राई-सरसों का फसल बीमा नहीं कराया है, वे किसान 31 दिसंबर 2023 तक बीमा करा सकते है। साथ ही जिला स्तर पर रबी 2023-24 में अधिक से अधिक अऋणी कृषकों को बीमा आवरण में लाने हेतु प्रचार-प्रसार के कार्यक्रम प्रारंभ किये गये है। अधिक जानकारी के लिए समस्त कृषक बन्धु बीमा कंपनी बजाज आलियांज कंपनी लिमि. के टोल फ्री नम्बर 18002095959 पर सम्पर्क कर सकते है। इस अवसर पर फसल बीमा सप्ताह कार्यक्रम अंतर्गत बीमा रथ को रवाना करने के कार्यक्रम के दौरान उप संचालक कृषि मोरध्वज डड़सेना, वरिष्ठ कृषि अधिकारी सी.एस बंछोर, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के नोडल अधिकारी चिंताराम रावटे, सहायक नोडल अधिकारी अरविंद वर्मा, जिला जनसंपर्क अधिकारी शशिरत्न पाराशर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। उप संचालक कृषि मोरध्वज डड़सेना ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन के द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना रबी वर्ष 2023-24 हेतु फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2023 तय की गयी है। इसके तहत गेहूं फसल हेतु 525 रुपये प्रति हेक्टेयर, चना फसल हेतु 585 रुपये प्रति हेक्टेयर, अलसी फसल हेतु 240 रुपये प्रति हेक्टेयर एवं राई-सरसों फसल हेतु 345 रुपये प्रति हेक्टेयर कृषक देय बीमा प्रीमियम राशि तय की गई है। ऋणी किसानों का बीमा संबंधित बैंक, सहकारी समिति द्वारा अनिवार्य रूप से किया जायेगा, उन्हें केवल घोषणा एवं बुवाई प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

उन्होंने बताया कि अऋणी कृषकों को बैंक, सहकारी समिति एवं लोक सेवा केन्द्र में बीमा प्रस्ताव फार्म नवीनतम आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भू-स्वामित्व साक्ष्य (बी-1 पंचसाला), किरायेदार, साझेदार कृषक का दस्तावेज, बुवाई प्रमाण पत्र एवं घोषणा पत्र प्रदाय कर 31 दिसंबर 2023 तक बीमा करा सकते है। अधिक जानकारी हेतु अपने क्षेत्र के कृषि अधिकारी से संपर्क करें। मालूम हो कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के उद्देश्य का प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) का लक्ष्य फसल क्षेत्र में टिकाऊ उत्पादन का समर्थन तो करता ही है, बल्कि अप्रत्याशित घटनाओं, विपदाओं से उत्पन्न फसल क्षति/क्षति से पीड़ित किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान भी करता है। खेती-किसानी में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए किसानों की आय को स्थिर करता है।

फसल बीमा कृषि क्षेत्र के लिए ऋण का प्रवाह सुनिश्चित करता है जो खाद्य सुरक्षा, फसल विविधीकरण और कृषि क्षेत्र के विकास और प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के साथ-साथ किसानों को उत्पादन जोखिमों से बचाने में भी योगदान देता है।

अधिसूचित फसल मौसम के लिए वित्तीय संस्थानों से मौसमी कृषि संचालन ऋण (फसल ऋण) स्वीकृत किए गए सभी किसानों को, जिन्हें अनिवार्य रूप से कवर किया जाएगा। यह योजना गैर-कर्जदार किसानों के लिए वैकल्पिक है। बीमा कवरेज कड़ाई से बीमा राशि/हेक्टेयर के बराबर होगा, जैसा कि सरकार ने परिभाषित किया गया है। अधिसूचना या राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल पर अधिसूचित फसल के लिए बोए गए क्षेत्र से गुणा किया जाता है।

विश्व मृदा दिवस पर कृषक संगोष्ठी आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। प्रत्येक वर्ष की भांति संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रदत्त प्रसंग ''मृदा एवं जल-जीवन के स्त्रोत'' विषय पर कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगारभाठ में विश्व मृदा दिवस पर कृषक संगोष्ठी सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र के अधिष्ठाता डॉ. एन. के. रस्तोगी ने मृदा उर्वरता में वृद्धि के लिए फसल जैव-विविधता, फसल चक्र एवं दलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया।

विशिष्ट अतिथि डॉ.जे. एल. चौधरी प्रमुख वैज्ञानिक, कृषि मौसम विभाग रायपुर ने मृदा क्षरण के कारण एवं उसकी रोकथाम, सिंचाई व्यवस्था, जल निकासी के साथ-साथ मृदा में उपस्थित सूक्ष्म-जलवायु प्रबंधन के संबंध में कृषकों को मार्गदर्शन दिया। केन्द्र के प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बीरबल साहू ने मृदा में खाद-उर्वरकों की दक्षता में वृद्धि हेतु प्राकृतिक संसाधनों का फसल उत्पादन के लिए समुचित प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी। केन्द्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. कोमल सिंह द्वारा जिले में पाई गई विभिन्न प्रकार की मिट्टा, मृदा परीक्षण के लिए नमूना एकत्रीकरण, परीक्षण परिणाम की विवेचना, मृदा स्वास्थ्य पत्रक की उपयोगिता एवं मृदा परीक्षण आधारित संतुलित खाद एवं उर्वरक की सिफारिश, सूक्ष्म पोषक तत्वों का महत्व एवं पर्णीय छिड़काव, केंचुआ खाद निर्माण, नाडेप खाद निर्माण, मृदा स्वास्थ्य में सूक्ष्म जीवों की भूमिका इत्यादि की जानकारी दी। प्रशिक्षण सह कार्यशाला के द्वितीय सत्र में भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधक द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि स्वर्ण ऋण, मुर्गीपालन, मछलीपालन, डेयरी पालन, पॉलीहाउस, नेट हाउस के लिए दी जाने वाली ऋण सुविधाओं की जानकारी दी। प्रायोगिक सत्र में वैज्ञानिक श्री नाग द्वारा जैविक खाद एवं कीटनाशक जैसे बीजामृत, घनजीवामृत, नीमास्त्र, ब्रम्हास्त्र, आग्नेयास्त्र इत्यादि बनाना सिखाया। इफ्को के क्षेत्रीय प्रतिनिधि श्री लालबहादुर द्वारा तरल उर्वरक जैसे नैनो यूरिया, नैनो डीएपी के द्वारा बीज उपचार एवं पर्णीय छिड़काव की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए कृषकों ने प्रशिक्षण सह कार्यशाला में सम्मिलित होकर इसका लाभ लिया।

शहर को स्वच्छ रखने के साथ स्वच्छता दीदियों की आमदनी भी है बढ़ाना : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कहा कि स्वच्छता का महत्ता को बहुत कम लोग समझते हैं। शहर को स्वच्छ रखने में स्वच्छता दीदियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। स्वच्छता दीदी द्वारा की जा रही कचरा प्रबंधन के माध्यम से शहर को स्वच्छ रखने के साथ-साथ स्वच्छता दीदियों की मानदेय के अतिरिक्त अपशिष्ट पदार्थों से समूह के सदस्यों की अतिरिक्त आय को बढ़ाना भी जरूरी है। इसके लिए दीदियों को कचरा प्रबंधन में अधिक मेहनत करने की आवश्यकता होगी।

साथ ही सोर्स सेग्रीगेशन के लिए नागरिकों को गीला-सूखा कचरा को अलग-अलग रखने हेतु जागरूक करना भी जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि शहर हमारा, कचरा भी हमारा और हमें ही प्रबंधन करने की जरूरत है, कचरा को आय का साधन मानते हुए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है। कलेक्टर विजय बुधवार को टॉउन हॉल परिसर में एसएलआरएम व स्वच्छता मिशन से संबंधित महिला समूह की सदस्यों (स्वच्छता दीदी) से परिचर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर आयुक्त नगर निगम हरेश मंडावी भी उपस्थित थे।

परिचर्चा में स्वच्छता दीदियों ने कलेक्टर और आयुक्त नगर निगम के समक्ष अपनी समस्या और मांग रखी। कलेक्टर ने कचरा कलेक्शन में एसएलआरएम सेंटर के महत्व को बताते हुए कहा कि दो सप्ताह में सभी सेंटरों में 11 लाख 75 हजार से अधिक राशि की कमाई अपशिष्ट पदार्थों से की है। उन्होंने अंबिकापुर का कचरा प्रबंधन मॉडल और वहां के रोल मॉडल स्वच्छता दीदी शशीकला सिन्हा का उल्लेख करते हुए जगदलपुर की महिला समूह को प्रोत्साहित किया। साथ ही कचरा प्रबंधन के लिए प्रशासन द्वारा बाबू सेमरा में एमआरएफसेंटर संचालित करने के संबंध में जानकारी दी।

कलेक्टर ने नागरिकों को गीला-सूखा कचरा के अलग-अलग रखने के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। इसके लिए सफाई दरोगा का भी सहयोग की बात कही। कचरा प्रबंधन के लिए एसएलआरएम सेंटर में प्रतिदिन गीला-सूखा कचरा के साथ-साथ अन्य सामग्रियों की छटाई उसी दिन किया जाना है। कचरा प्रबंधन में लगे हुए स्वच्छता दीदियों को सप्ताहवार रोटेशन के आधार कार्य करवाने के लिए सेंटर प्रभारी द्वारा व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही सुबह 7.30 बजे से कर्तव्य स्थल में उपस्थिति देते हुए जल्द से जल्द कचरा प्रबंधन को समाप्त करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

सेंटर की व्यवस्थाओं और समस्याओं का निराकरण के लिए समूह के सदस्य आपस में मिलकर करें। एसएलआरएम सेंटर की स्थापना के उद्देश्य को पूरा करने के लिए मेहनत होना चाहिए। प्रशासन एवं स्वच्छता दीदी की सहयोग से ही शहर को स्वच्छ रखना है। कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्वच्छता दीदियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एसएलआरएम सेंटर को चेक का वितरण किए। साथ ही सर्वश्रेष्ट सेंटर की रूप में बोधघाट की स्वच्छता दीदियों को शॉल एवं श्रीफल भेंट किया गया।

वेट लिफटर ज्ञानेश्वरी यादव ने फिर किया नाम रोशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। शहर की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव ने एक बार फिर अपने खेल का कमाल दिखाया है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में हो रहे अस्मिता खेलो इंडिया महिला रैंकिंग चैंपियनशिप के सीनियर और जूनियर वर्ग में गोल्ड मेडल जीत कर जिले समेत पूरे प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। इस चैंपियनशिप में देश भर के 11 राज्यों के खिलाड़ियों ने शिरकत की है और इस खेल का आयोजन दो दिसंबर से लेकर छह दिसंबर तक चलेगा। ज्ञानेश्वरी यादव छत्तीसगढ़ टीम का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

ज्ञानेश्वरी यादव ने कई चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत कर पूरे देश का नाम रोशन किया है और पूरे देश में वह टॉप रैंकिंग की खिलाड़ी हैं। एक बार फिर ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने खेल का जौहर दिखाते हुए पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आयोजित 'अस्मिता खेलो इंडिया महिला रैंकिंग चैंपियनशिप' में जूनियर और सीनियर वर्ग में गोल्ड मेडल लाकर देश का नाम रोशन किया है। ज्ञानेश्वरी यादव लगातार ऐसी कई उपलब्धि हांसिल करने वाली देश की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। गरीब परिवार से आने वाली ज्ञानेश्वरी यादव ने यह साबित कर दिया की प्रतिभा किसी परिस्थिति की मोहताज नहीं होती। ज्ञानेश्वरी यादव ने इससे पहले भी कई गोल्ड मेडल और सिल्वर मेडल अपने नाम किए हैं जिसमें हिमाचल प्रदेश के नगरोटा में जून में हुए नेशनल वेटलिफ्टिंग रैंकिंग चैंपियनशिप में ज्ञानेश्वरी यादव ने 49 किलोग्राम भार वर्ग में देश की नंबर वन वेटलिफ्टर बनी थीं, ज्ञानेश्वरी सीनियर वर्ग में भी मैदान में उतरी थीं वहां उन्होंने टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई चानू को टक्कर दी थी, जिसमें ज्ञानेश्वरी यादव ने इस प्रतियोगिता में रजत पदक पर कब्जा किया था इसके साथ ही इसी भार वर्ग में जूनियर वर्ग की स्पर्धा में ज्ञानेश्वरी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

समय सीमा में निर्माण कार्यों को पूर्ण करें : सीईओ

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा । कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन में जिला पंचायत सीईओ आर के खुंटे ने बुधवार को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक जिला पंचायत के सभागार में ली। समीक्षा बैठक में महात्मा गांधी नरेगा, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, क्रियान्वयन एजेंसी के कार्यों की प्रगतिवार समीक्षा की।

जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि महात्मा गांधी नरेगा के कार्यों को लेकर जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है उसको प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाय। मनरेगा कार्यों में प्रतिदिन चल रहे कार्यों का स्थल निरीक्षण करते हुए कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मनरेगा का मूल उद्देश्य सभी जॉब कार्डधारी परिवारों को गांव में ही रोजगार मुहैया कराया जाना है। इसके लिए कार्य की सूचना और रोजगार की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने स्कूलों में बाउंड्रीवाल, पानी की सुविधा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के उपलब्धता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मनरेगा के साथ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी स्व सहायता समूह की महिलाए, स्कूल शिक्षा विभाग, उद्यानिकी विभाग मिलकर प्लान तैयार करें। इसके अलावा लक्ष्य के विरूद्ध सृजित मानव दिवस की उपलब्धि, चल रहे कार्यों में नियोजित श्रमिकों की समीक्षा, महिलाओं द्वारा सृजित मानव दिवस, 100 दिवस रोजगार प्राप्त किए परिवार, समयबद्ध मजदूरी भुगतान, कार्यपूर्णता का प्रतिशत, हितग्राही मूलक कार्यों को लेकर समीक्षा की। जिला पंचायत सीईओ ने पीएम आवास के तहत बनाए जा रहे आवास की जनपद पंचायत वार समीक्षा की। उन्होंने समय सीमा में आवास पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा किश्त प्राप्त उपरांत अप्रारंभ, अपूर्ण, प्रगतिरत आवासों की प्रगति, स्वीकृत आवासों के हितग्राहियों को शत प्रतिशत प्रथम एवं अंतिम किश्त भुगतान किये जाने के संबंध में चर्चा की। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की जियो टैगिंग एवं निर्माण को लेकर सतत रूप से मॉनिटरिंग करते हुए प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सामुदायिक शौचालय के निर्माण के बाद उसका उपयोग सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिए। इसके अलावा जियो टैगिंग एवं संचालन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लक्ष्य, तरल अपशिष्ट प्रबंधन, घर-घर कचरा संग्रहण चालू करने एवं सेग्रीगेशन शेड, गोबरधन योजना के अंतर्गत बायोगैस संयंत्र स्थापना एवं संचालन, ओ.डी.एफ प्लस ग्राम की समीक्षा की गई।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

कांग्रेस ने बाबा साहब का पुण्य स्मरण किया

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन रायपुर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज के नेतृत्व में संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण अर्पित किया गया। इस अवसर पर प्रभारी महामंत्री संगठन मलकीत सिंह गैदू, कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, महामंत्री सुबोध हरितवाल, संयुक्त महामंत्री शिव सिंह ठाकुर, अशोक राज आहूजा, प्रदेश सचिव रेहान खान, नंदकुमार पटेल, मेहमूद अली, रोशन सिंह, भवानी मरकाम, सुरेश यादव, मो. सिद्दीक, मतीन खान, अमित मित्तल, रवि शर्मा तथा सेवादल, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, इंटक, एनएसयूआई एवं मोर्चा संगठनों, प्रकोष्ठों, विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

अग्निवीर थल सेना भर्ती रैली में शामिल होने के लिए जिले के युवाओं को मिलेगी निःशुल्क बस सुविधा

रायपुर। जांजगीर में 15 से 23 दिसम्बर तक आयोजित अग्निवीर थल सेना भर्ती रैली में भाग लेने वाले जिले के अभ्यर्थियों जिला प्रशासन द्वारा निःशुल्क बस सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे के निर्देश पर रायपुर जिले के पात्र युवाओं के लिए निःशुल्क बस सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। अग्निवीर थल सेना भर्ती रैली के लिए अप्रैल 2023 में ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीसीई) का आयोजन किया गया था। जिसमें उत्तीर्ण युवाओं की शारीरिक दक्षता एवं चयन परीक्षा का आयोजन जांजगीर चांपा में 15 से 23 दिसम्बर तक पुलिस लाईन खोखराभाठा जांजगीर में निर्धारित है। इस दौरान 18 दिसम्बर की शारीरिक दक्षता परीक्षा में सम्मिलित होने वाले पात्र युवाओं के लिए 17 दिसम्बर को दोपहर 12 बजे एवं 20 दिसम्बर की परीक्षा में सम्मिलित होने वाले युवाओं के लिए 19 दिसम्बर 2023 को दोपहर 12 बजे जिला रोजगार कार्यालय रायपुर, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर से निःशुल्क बस सुविधा उपलब्ध होगी। जो यहां से पुलिस लाईन खोखराभाठा जांजगीर के लिए रवाना होगी। जिला रोजगार कार्यालय के उपसंचालक ने बताया कि निःशुल्क बस सुविधा का लाभ प्राप्त करने हेतु पात्र अभ्यर्थी अपना नामांकन जिला रोजगार कार्यालय रायपुर में 14 दिसम्बर 2023 तक करवा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नंबर 9406346840 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

पीपीआर टीकाकरण अभियान 20 दिसम्बर तक

जशपुरनगर। जिले के पशु पालकों के भेड़-बकरियों में पी.पी.आर. टीकाकरण अन्तर्गत रोग नियंत्रण को लेकर विशेष टीकाकरण अभियान 20 दिसम्बर तक चलेगा। पशु चिकित्सा सेवायें जिला जशपुर के उप संचालक डॉ.ए.के. मरकाम ने जानकारी दी कि जिले के 4,50,453 भेड़-बकरियों में रोग नियंत्रण को लेकर विशेष अभियान के तहत् 21 नम्बर से टीकाकरण प्रारंभ हो चुका है। इसे लेकर पूरे जिले में 57 दल गठन किया गया है। पूरे प्रदेश में सर्वाधिक भेड़-बकरियों की संख्या जशपुर जिले में है। विकासखण्ड स्तर पर गठित दल के द्वारा प्रत्येक ग्राम भेड़-बकरियों प्रजाति के पशुओं को निःशुल्क टीकाकरण किया जा रहा है। समस्त पशु पालकों से अनुरोध है कि अपने-अपने भेड़-बकरियों में पी.पी. आर. का टीका अवश्यक लगवा लेवें। पी.पी. आर. एक विषाणु जनित संक्रमित रोग है, जिसे गोट प्लेग भी कहा जाता है, जो कि भेड़-बकरियों में होती है, ऐसे भेड़-बकरी जिनका टीकाकरण नहीं किया गया है या टीका नहीं लगाया जा रहा है, उन भेड़-बकरियों में पी.पी.आर. रोग फैल सकता है, एवं पशु पालकों को आर्थिक क्षति उठानी पड़ती।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में चार दिवसीय 'संस्कृति युवा महोत्सव मड़ई 2023' का रंगा-रंग आगाज

लोक संस्कृति के संरक्षण में मड़ई जैसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका : डॉ. शुक्ला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में 6 से 9 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले चार दिवसीय 29वें अंतर महाविद्यालयीन युवा महोत्सव ''मड़ई-2023'' का रंगा-रंग शुभारंभ हुआ। कृषि महाविद्यालय परिसर में आयोजित मड़ई की शुरूआत भव्य सांस्कृतिक शोभायात्रा से हुई जिसमें कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त कृषि महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपने-अपने जिलों की लोक संस्कृति, लोक पर्व, स्थानीय रीति-रिवाज, पर्यटन स्थल तथा अन्य विशेषताओं को प्रदर्शित करने वाली झांकी प्रस्तुत की।

पारंपरिक परिधानों में सजे इन सांस्कृतिक दलों ने स्थानीय लोक गीतों एवं लोक नृत्यों की अनुपम छटा बिखेरी तथा पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, नारी सशक्तिकरण, सुपोषण आदि महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक संदेश भी दिये। इस चार दिवसीय युवा महोत्सव में विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि महाविद्यालयों के एक हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए। शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि महाविद्यालय रायपुर के अधिष्ठाता डॉ. जी.के. दास तथा प्रबंध मण्डल सदस्य आनंद मिश्रा उपस्थित रहेंगे।

मड़ई 2023 के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला ने कहा कि भारतीय संस्कृति पूरे विश्व में सर्वश्रेष्ठ है और हमें अपनी संस्कृति पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में मड़ई जैसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि उन्हें आज प्रातः पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में आयोजित युवा उत्सव में शामिल होने का मौका मिला और शाम को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के युवा महोत्सव में सहभागी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों से आव्हान किया वे पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होकर देश व प्रदेश का नाम रौशन करें। समारोह की अध्यक्षता करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की अंतरनिहीत सांस्कृतिक प्रतिभाओं के विकास के लिए प्रति वर्ष विश्वविद्यालय स्तर पर मड़ई युवा महोत्सव का आयोजन किया जाता है। पिछले 28 वर्षो से यह आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन को याद करते हुए कहा कि वे उन्होंने विद्यार्थी के रूप में वर्ष 1990 में विश्व भारतीय विश्वविद्यालय शांति निकेतन पश्चिम बंगाल में कृषि विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया था। वह एक अविस्मरणीय यादें हैं। डॉ. चंदेल ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित एग्री युनिफेस्ट में अनेकों बार स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त किये हैं उन्होंने आशा व्यक्त कि की मड़ई 2023 के विजेता प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय तथा छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाएंगे।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा ने कार्यक्रम की रूप-रेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि 6 से 9 दिसम्बर तक चलने वाले इस चार दिवसीय अंतर महाविद्यालयीन युवा महोत्सव ''मड़ई-2023'' में विभिन्न विधाओं की 25 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा जिसके तहत 7 दिसम्बर को प्रातः 9 बजे से 1:30 बजे तक एकल अभिनय, तात्कालिक भाषण, ऑन दी स्पॉट पेंटिंग, एकांकी, समूह गायन, कोलाज मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

दोपहर 03 बजे से मिमिक्री, भाषण, कार्टूनिंग, एकांकी, समूह गायन (भारतीय), लोक एवं आदिवासी नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। 8 दिसम्बर को प्रातः 09 बजे से मूक अभिनय, भाषण, लघु नाटिका, वाद-विवाद, रंगोली, पोस्टर मेकिंग, क्ले मॉडलिंग, डिजिटल फोटोग्राफी, एकांकी, देश भक्ति गीत गायन, पश्चिमी एकल गीत गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। दोपहर 03 बजे से लघु नाटिका, वाद-विवाद, मेहंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। 9 दिसम्बर को प्रातः 9 बजे से लघु नाटिका, तात्कालिक भाषण, लोक एवं आदिवासी नृत्य तथा पाश्चात्य समूह गीत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। 9 दिसम्बर को अपरान्ह 4 बजे अंतर महाविद्यालयीन युवा महोत्सव ''मड़ई-2023'' का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। शुभारंभ समारोह के अंत में मड़ई 2023 के आयोजन सचिव डॉ. वी.बी. कुरूवंशी ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संचालक अनुसंधान डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. अजय वर्मा, सभी कृषि महाविद्यालयों के अधिष्ठाता एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

संसद में की गई साधना का लाभ छत्तीसगढ़ महतारी के चरणों में समर्पित- अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी से अनुमति लेकर छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से सांसद अरुण साव एवं रायगढ़ से सांसद श्रीमती गोमती साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आशीर्वाद लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए सांसद पद से अपना इस्तीफा सौंपा।

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने राज्य की लोरमी सीट से प्रचंड मतो से विधानसभा चुनाव जीतने के बाद सांसद पद से इस्तीफा देते हुए कहा कि सांसद रहते हुए लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर संसद में उन्होंने लोकतंत्र की गहराइयों को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और देश के गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में जो सीखा है, वह छत्तीसगढ़ राज्य की जनता की सेवा और राज्य के सुशासन पूर्ण विकास के लिए अत्यंत सहयोगी साबित होगा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संसदीय लोकतंत्र की पाठशाला है। हमें सिखाया गया कि राष्ट्र प्रथम के अटल सिद्धांत पर चलते हुए देश के विकास तथा जनता की बेहतरी के लिए उत्कृष्ट कार्य कैसे किया जाता है। भाजपा ने मुझे लोकतंत्र की सबसे बड़ी पंचायत में दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता मोदी जी के नेतृत्व में कार्य करने के बाद छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा में योगदान का दायित्व सौंपा है। श्रीमती गोमती साय ने कहा मैने पार्टी के निर्देश पर विधानसभा चुनावों में पत्थलगांव से प्रत्याशी के रूप चुनाव लड़ा और जीतकर अब छत्तीसगढ़ प्रदेश की बेहतरी के लिए काम करूंगी।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का लाभ लेने आवेदन आमंत्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का लाभ लेने के लिए जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के तहत विनिर्माण उद्यम हेतु अधिकतम 25 लाख, सेवा क्षेत्र हेतु 10 लाख एवं व्यवसाय हेतु अधिकतम 2 लाख तक का ऋण बैंकों के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। ऋण हेतु इच्छुक युवक-युवतियां आवेदन पत्र निर्धारित फार्म में भरकर 20 दिसंबर 2023 तक कार्यालयीन समय में कार्यालय महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, कोरबा में स्वयं उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा योजना का लाभ लेने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिसके अंतर्गत आवेदक को छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी होना अनिवार्य है। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आठवीं उत्तीर्ण हो। आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग महिला, भूतपूर्व सैनिक, नक्सल प्रभावित परिवार के सदस्य एवं निःशक्तजन जैसे आरक्षित श्रेणी के आवदेकों हेतु अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छुट की पात्रता होगी। आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 3 लाख रूपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।

जिले में बारह हजार 470 किसानों ने धान बेचा

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़ बिलाईगढ़ । जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के कलेक्टर डॉ. फरिहा आलम सिद्की के निर्देश पर 1 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ हुई है। एक माह से अधिक धान खरीदी होने पर खाद्य अधिकारी चित्रकांत ध्रुव ने बताया कि - जिले के तीनों विकासखंड में 65 सहकारी समितियां और उपार्जन केंद्र 86 है ।

इन धान खरीदी केंद्रों में शासन द्वारा सत्र 2023 - 24 के लिए खरीदी लक्ष्य 399837. 00 (मे.टन) है । पंजीकृत किसानों की कुल संख्या 87121 है जिस में से दिनांक 6 दिसंबर की स्थिति में 12470 किसानों ने धान विक्रय किया , शेष किसानों की संख्या 73735 है । धान विक्रय प्रक्रिया को पारदर्शीय बनाने हेतु टोकन 16528 धान विक्रय हेतु काटे गये थे , जिसमें 15985 टोकन में ही धान खरीदीकार्य संपन्न हुआ है । 543 टोकन निरस्त हुए, धान खरीदी केंद्रों में मोटा , पतला , सरना तीन किस्म की धान खरीदी जा रही है। 6 दिसंबर की स्थिति में मोटा धान 23190. 88 क्वि. वहीं पतला धान की बोहनी नहीं हुई है । सरना 26608. 08 क्वि. धान की खरीदी की गई है । अभी तक खरीदी गई धान की स्थिति यह है कि - 49798.96 क्विं. खरीदी हुई हैं । खाद्य कलेक्टर चित्रकांत ध्रुव ने बताया कि - 98 राइस मिलों के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया जिसमें 90 पंजीकृत राइस मिल है, डीओ किसी भी राईस मिल को जारी नहीं किया गया है । मिलर्स द्वारा उठाए गए धान की मात्रा निरंक है। वर्तमान में उपार्जन केंद्र में 49798. 96 क्वि. धान संग्रहित है।

जिला खाद्य अधिकारी चित्रकांत ध्रुव ने बताया कि जिला कलेक्टर डॉ. सिद्की के आदेश पर सभी संग्रहण केंद्रों में खरीदी की गई धान को बरसात से बचाने के लिए तिरपाल में धान को ढकवाया गया है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

तृष्णा से मुक्त होना ही संसार से मुक्त होना है

हम में से प्रत्येक व्यक्ति संसार से मुक्त होने की इच्छा रखता है, लेकिन अपनी तृष्णाओं से मुक्त नहीं होता, उससे घिरा रहता है। जब तक ये हमारे भीतर जीवित हैं, हम संसार से मुक्त नहीं हो सकते। इससे मुक्त होकर इस संसार से जाने पर दोबारा जन्म नहीं होता। वास्तव में तृष्णा से मुक्त होना ही संसार से मुक्त होना है

बुद्ध निरंतर कहते हैं कि तुम तृष्णा से मुक्त हो जाओ, तुम संसार से मुक्त हो गए। तुम कोई कामना नहीं करो कि यह मुझे पूरा करना है। तुम जैसे हो वैसे होने से राजी हो जाओ, फिर तुम्हारा कोई जन्म नहीं होगा। तुम जहां हो वहीं ऐसे तृप्त हो जाओ जैसे मंजिल पर हो। कोई यात्रा नहीं है करने की, कहीं जाना नहीं है। जो पा लिया, वह काफी से काफी है। जो मिल गया, वह पर्याप्त से ज्यादा है। जो हो गया, उससे ज्यादा का कोई खयाल नहीं है। तब तुम्हें कैसे जन्म मिल सके गा? तब तुम पूरे होकर मरोगे। और जो पूरा होकर मरता है, उसके आने की कोई जरूरत नहीं रह जाती। उसने मरने की कला जान ली। जो तृष्णा-शून्य मरता है, वह मरने की कला जान गया।'

कितने जन्मों से तुम मर रहे हो और एक क्षण को तुमने विचार नहीं किया, लौट कर एक बार नहीं सोचा कि तुम क्यों इस जाल में फंसे हो।

'एक सयानी आपनी, परबस मुआ संसार।'

— कबीर कहते हैं कि मैं सयाना होकर मरा; तुम परबस होकर मर रहे हो। यहीं भेद है। यही एक बुद्ध की मृत्यु का और एक अज्ञानी की मृत्यु का भेद है। दोनों में गुणात्मक फर्क है। चिकित्सक नहीं पहचान सकेगा इस फर्क को। अगर बुद्ध मर रहे हों, कबीर मर रहे हों और तुम मर रहे हो एक ही अस्पताल में और तुम चिकित्सक से कहो कि इनकी मृत्युओं में क्या फर्क है, चिकित्सक कोई फर्क नहीं बता सकेगा। चिकित्सक कहेगा कोई भी फर्क नहीं है। इसकी हृदय की धड़कन भी समाप्त हो रही है; इसकी श्वास भी डूबी जा रही है; इसकी खून की चाल खोई जा रही है—दोनों एक जैसे मर रहे हैं। कोई गुणात्मक भेद नहीं है।

लेकिन समझने की कोशिश करो।

तुम्हारे और कबीर के मरने में गुणात्मक भेद है। वही कबीर कह रहे हैं 'एक सयानी आपनी, परबस मुआ संसार।' हम सयाने होकर मर रहे हैं, हम पूरे होकर मर रहे हैं। हम जान कर मर रहे हैं। तुम बिना जाने मर रहे हो। तुम बिना पूरे हुए मर रहे हो। तुम बिना सयाने हुए मर रहे हो। तुम बूढ़े होकर मर रहे हो, हम सयाने होकर मर रहे हैं—यह कबीर कह रहे हैं। तुम्हारी मृत्यु परबस है। तुम असहाय मर रहे हो। तुम चीख-पुकार करके मर रहे हो कि कोई सहारा दे दे, किसी तरह बच जाऊं, कोई दवा ईजाद हो जाए। आदमी मरता है, लेकिन मरना नहीं चाहता—परवश! तुम कितने उपाय करते हो न मरने के; झूठी-सच्ची बातों पर भरोसा कर लेते हो। कोई ताबीज बांध लेता है, कोई कुछ कर लेता है। सब तरह से उपाय करते हो कि बच जाएं। यह जो आदमी है, बूढ़ा तो हो गया, लेकिन सयाना नहीं हुआ। सयाना होने का तो अर्थ ही यह है कि तुम्हें यह पता चल जाए कि इस जीवन में कुछ है ही नहीं पाने योग्य जिसके लिए बचना जरूरी हो। सयाने होने का अर्थ तो यह है कि तुम सब वासनाओं को परख लो और उनमें कुछ सार न पाओ। तुमने प्रेम भी किया और तुमने पाया कि वहां भी कुछ नहीं था, कामवासना थी। तुमने प्रेम किया और तुमने पाया कि वहां भी प्रकृति केवल तुम्हारा उपयोग कर रही थी, संतति पैदा करवाने के लिए। तुमने धन कमाया और पाया कि वे ठीकरे थे, जिन पर समाज राजी हो गया था कि इनका मूल्य है। तुमने पद कमाए, तुम बड़े पदों पर पहुंचे, लाखों लोगों ने तुम्हारी तरफ आंखें उठा कर देखा; लेकिन तुमने पाया, उससे भी कोई तृप्ति नहीं है; उससे भी कोई मन का अधूरा घड़ा भरता नहीं।

तुम अहंकार की ऊंचाइयों पर उठे और वहां भी तुमने भीतर क्षुद्रता का ही वास पाया। तुम महलों में रहे, लेकिन तुम्हारे भीतर की वासना का भिखमंगापन नहीं मिटा। तुमने सब कमाया और तुमने पाया कि सब कमाना अपने को गंवाना है—तब तुम सयाने हुए; तब तुमने देखा कि इस जीवन में कुछ पाने योग्य नहीं, तुमने रत्ती-रत्ती खोज लिया। अनुभव से तुम सिक्त हुए, भर गए और तुमने सब तरफ पहचान कर, किसी की कहा-सुनी से नहीं, कबीर के वचन पढ़ कर नहीं, मेरी बात सुन कर नहीं—तुमने अपने ही अनुभव की परख और कसौटी से यह पा लिया कि यह सारा खेल अज्ञानियों का है। यहां जानने वाले के लिए कोई काम नहीं। यह बच्चों का खिलौना है। बच्चे खेल रहे हैं, खिलौनों में लीन हैं। लेकिन तुम सयाने हो गए हो और तुम्हें खेल दिखाई पड़ गया और तुम हंसे। उसी क्षण तृष्णा का धागा टूट गया। इसको पतंजलि समाधि की अवस्था कहते हैं—निर्विकल्प समाधि। अब तुम्हारे मन में कोई विकल्प नहीं रहे कि यह करूं, वह करूं, यह पाऊं, वह पाऊं, सब विकल्प हट गए।

> **तुम अहंकार की ऊंचाइयों पर उठे और वहां भी तुमने भीतर क्षुद्रता का ही वास पाया। तुम महलों में रहे, लेकिन तुम्हारे भीतर की वासना का भिखमंगापन नहीं मिटा। तुमने सब कमाया और तुमने पाया कि सब कमाना अपने को गंवाना है।**

ईर्ष्या को मन से नहीं दिमाग से निकालिए

जिंदगी में तब तक कोई दिक्कत नहीं रहती, जब तक हम खुद से खुश रहते हैं। दिक्कत शुरू होती है दूसरों को देखकर। ये जो ईर्ष्या है, वही है तनाव और चिंता का मूल कारण।

अभाव को दूर करें

ओशो ने कहा है, 'ईर्ष्या से बचने का उपाय मानसिक अनुशासन है। जो व्यक्ति ईर्ष्यालु स्वभाव का है, उसे फालतू बातों के बारे में सोचने की आदत छोड़ देनी चाहिए। उसे यह पता लगाना चाहिए कि जिस अभाव के कारण वह ईर्ष्यालु बन गया है, उसकी पूर्ति का रचनात्मक तरीका क्या है। जिस दिन उसके भीतर यह जिज्ञासा जगेगी, उसी दिन से वह ईर्ष्या करना कम कर देगा।'

कहने और सुनने में यह बात आसान लगती है, पर असल जिंदगी में मनन करने में जतन करना पड़ता है। बिना मन और मस्तिष्क साधे ईर्ष्या पर नियंत्रण करना बेहद मुश्किल है। आपको जो मिला है, आप तभी उसका आनंद ले सकते हैं, जब लगे कि जो आपके पास है उससे आप संतुष्ट हैं।

अपनी चिंताओं को आवाज दें

चर्चित लेखक और मोटिवेशनल एक्सपर्ट शेड हेल्मस्टेटर ने अपनी लोकप्रिय किताब 'व्हॉट टु से व्हेन यू टॉक टु युअरसेल्फ' में लिखा है, 'आप जानते हैं कि स्वयं से कब बात करनी है। यह एक किस्म का मेडिटेशन है। आपको स्वयं को दिशा देनी होगी। चिंताओं पर बात करते हुए उपायों पर बात करनी होगी। कुछ निर्देश सिर्फ आप ही स्वयं को दे सकते हैं। आपकी बातें खुद के लिए मरहम का काम करेंगी।'

जो मिला है उसके लिए आभार

हवाईयन अभ्यास प्रार्थना हो'ओपोनोपोनो के अनुसार हर दिन आपको ईश्वर से उन सभी चीजों के लिए आभार प्रकट करना चाहिए, जो उसने आपको दिया है। जब आप कृतज्ञ होंगे, तब आशावादी रहेंगे और जो आपको मिला है, उसका पूर्णतया इस्तेमाल भी करेंगे। जीवन में आगे बढ़ने और हासिल करने के लिए सबसे सही तरीका है खुद को समझना।

अपनी ऊर्जा का सदुपयोग करें

मेट रॉबिन्स अपने मोटिवेशनल टॉक में कहती हैं, 'मैं दूसरों से ईर्ष्या को हमेशा नकरात्मक नहीं मानती। मुझे लगता है कि अगर आप दूसरों की किसी सफलता से जल रहे हैं, तो कहीं न कहीं आप भी वहां तक पहुंचना चाहते हैं। तो उस समय अपनी ऊर्जा सही दिशा में लगाएं और आगे बढ़ें। आपकी मंजिल दूसरों को पछाड़ने के बजाय खुद को आगे ले जाने की होनी चाहिए। मेरी डिक्शनरी में जेलेसी का अर्थ होड़ नहीं है।'

समग्रता में देखें

ईर्ष्या को दूर भगाने के लिए अधिकांश धर्म गुरु, मोटिवेशनल स्पीकर व मनोविशेषज्ञ समग्रता की बात करते हैं। अगर आपकी चिंताओं में आपसे अधिक वो इनसान है, जिसके होने या न होने से आपकी जिंदगी पर रत्ती भर फर्क नहीं पड़ रहा, तो इसका मतलब है आपकी निराशा निरर्थक है।

रामधारी सिंह दिनकर की कहानी 'ईर्ष्या तू ना गई मन से', आज भी प्रासंगिक और सत्य है। इस कहानी का यह अंश देखिए ईर्ष्या का संबंध प्रतिद्वन्द्विता से होता है, क्योंकि भिखमंगा करोड़पति से ईर्ष्या नहीं करता । यह एक बात है, जो ईर्ष्या के पक्ष में भी पड़ सकती है; क्योंकि प्रतिद्वन्द्विता से मनुष्य का विकास होता है, किन्तु अगर आप संसारव्यापी सुयश चाहते हैं तो आप (रसेल के मतानुसार) शायद, नेपोलियन से स्पर्द्धा करेंगे । मगर याद रखें कि नेपोलियन भी सीजर से स्पर्धा करता था और सीजर सिकन्दर से तथा सिकन्दर हरकुलिस से, जिस हरकुलिस के बारे में इतिहासकारों का मत है कि वह कभी पैदा ही नहीं हुआ।

- जयंती रंगनाथन

खुश रहने का बेहतर मार्ग क्या है

खुश कैसे रहा जाए? हर समय मनुष्य इस सवाल से जूझता रहा है। आध्यात्मिक गुरु जहां भीतरी प्रसन्नता पर जोर देते रहे हैं, वहीं आधुनिक जीवनशैली के पक्षधर भौतिक सुविधाओं से अपनी खुशी को जोड़कर देखते हैं। पर, खुशी है कि आसानी से हाथ ही नहीं आती।

भारतीय मूल के अमेरिकी लेखक व मोटिवेशनल गुरु। कई किताबें लिख चुके हैं।

दीपक चोपड़ा

> हर पल कुछ बुरा हो जाने का भय और असुरक्षा के अहसास ने मानव स्वभाव के खराब पक्षों को प्रमुखता से उजागर करने का काम किया है। इनसान स्वभाव से इतना अनूठा है कि शर्म, ग्लानि, भय, तनाव और डर जैसे भाव अपने आप ही महसूस कर लेता है।

प्रत्येक युग में ईश्वर की खोज और मोक्ष का मार्ग बेहद साधारण सिद्धांत पर काम करता है कि खुश कैसे रहा जाए? मेरे विचार से इस मूल प्रश्न को सुलझाने के लिए हमें अपने कष्टों की जड़ तक जाना पड़ेगा। उत्तर हमारे भीतर ही कहीं छिपा हुआ है। मौजूदा समय में अमेरिकी जीवन शैली के नियम खुशी हासिल करने का मार्ग धन, दौलत व सुख सुविधाओं से जोड़कर बताते हैं। वहीं कुछ लोग सही जीवनसाथी, सिर पर अपनी छत और सुरक्षित नौकरी होने को खुशियां पाने का जरिया समझते हैं।

हालांकि, जीवन हमेशा से कठिन रहा है, पर महामारी के बाद की चुनौतियों व आर्थिक मंदी ने परेशानियां और बढ़ा दी हैं। तलाक की बढ़ती घटनाएं, आतंकवाद, काम का तनाव, आर्थिक असुरक्षा और जलवायु परिवर्तन आदि ये सभी समस्याएं बताती हैं कि झूठा अहं व सुख-सुविधाओं पर अतिनिर्भरता कैसे बड़े स्तर पर खुशियों पर असर डालते हैं। मेरे विचार से कुछ नियम हमारे काम आ सकते हैं-

- जीवन का एक उद्देश्य होता है, जिसे पूरा करके आप खुशी पा सकते हैं।
- भीतरी प्रसन्नता को हमसे छीना नहीं जा सकता।
- इस भौतिक दुनिया में सच्चे रिश्तों द्वारा खुशी पाई जा सकती है।
- भटकने की बजाय वो करें जो आपको पसंद है।
- अपने डर और तनाव पर विजय पाएं।
- स्वस्थ मन, आपके तन को भी दुरुस्त रखेगा।

खुशी और संतुष्टि भरे कदम

- जीवन का अर्थपूर्ण होना आवश्यक है और जितना प्रेरणादायी यह अर्थ हो उतना बेहतर है। खुशियां तब खत्म होने लगती हैं, जब आपको जीवन सारहीन लगने लगता है और आप अकेलापन महसूस करने लगते हैं। हम सुनते आए हैं कि 'परिवार ही सब कुछ होता है', लेकिन यह सच नहीं क्योंकि अर्थ और उद्देश्य ही सर्वोपरि है। आप काम, परिवार, प्रेम, निजी विकास, सेवा, शिक्षा, शौक, मित्रता और रचनात्मकता में से अपना अर्थ चुन सकते हैं। अधिकतर लोग परिवार, दोस्ती, शौक और काम को चुनते हैं, पर उन उच्च मूल्यों का क्या जो इनसे कहीं ज्यादा स्थाई और सुरक्षित खुशियां प्रदान कर सकते हैं। मैं अपने लिए प्रेम, त्याग, सेवा और निजी विकास को चुनूंगा। असल में एक समय बाद परिवार भी आगे बढ़ जाता है । इसलिए अपने जीवन के उद्देश्य ऊंचे रखिए, ताकि बदलाव आपको प्रभावित न कर पाए।
- आंतरिक प्रसन्नता के बारे में हम इतना सुनते हैं कि यह अर्थहीन लगने लगती है। हालांकि, जब एकांत में बैठकर भी आप प्रसन्नता महसूस करें तो समझ लीजिए कि आप आंतरिक खुशी प्राप्त कर चुके हैं। एक वाक्य में कहा जाए तो यदि आप वर्तमान में जीने में खुशी महसूस कर सकते हैं, तो आप खुश रह सकते हैं।
- भौतिकता की जगह रिश्तों पर ध्यान दें। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के अनुसार ज्यादा महंगी, बड़ी और नई चीजें बेहतर हैं। हम इस सोच को तो नहीं बदल सकते, पर इतना समझ सकते हैं कि यह कितनी खोखली धारणा है। शोध बताते हैं कि अपनी जरूरत लायक पैसा कमा लेने के बाद उसका महत्व कम होने लगता है। यदि आप भी स्वयं का आकलन अपनी आय से करते हैं तो समस्या खड़ी हो सकती है, क्योंकि तब आपको हर समय अपने से बेहतर वेतन वाले दिखाई देते हैं। इसलिए ऐसे सच्चे रिश्तों का होना जरूरी है, जो आपको परिलक्षित करते हों। यह एक कम्प्यूटर या गाड़ी खरीदने से कहीं ज्यादा जटिल कार्य है, पर वास्तव में यही जरूरी है।
- अपना ध्यान भटकने न दें। जितना ज्यादा समय आप स्मार्टफोन, इंटरनेट और वीडियो गेम पर खर्च करेंगे, उतना ही कम समय जरूरी कामों के लिए बच पाएगा। हम जानते हैं कि बड़प्पन कितना जरूरी है, पर रोजमर्रा के ये भटकाव करुणा व सहयोग के भावों को नष्ट कर देते हैं।
- आधुनिक जीवन में दुनियाभर के साथ हरपल संवाद बनाकर रखा जा सकता है। पर, इसने असुरक्षा की भावना को बढ़ा दिया है क्योंकि कोई अजनबी कभी भी हमें नुकसान पहुंचा सकता है। आप इस बाहरी डर को कम करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं कर सकते, पर हर छोटी बात पर डर जाने की आदत पर काबू पा सकते हैं। अपने भीतर शांति अनुभव कर सकते हैं।
- तनाव किसी परिस्थिति को लेकर आपकी प्रतिक्रिया का नाम है। लेकिन आपके भीतर तनावमुक्त रहने की शक्ति है। जब आप अपने अंतर्मन को जान लेते हैं तो बाहरी तनाव आपको प्रभावित नहीं कर पाता क्योंकि आपको पता होता है कि अपनी ऊर्जा कहां लगानी है।
- शारीरिक स्वास्थ्य मानसिक सेहत पर निर्भर करता है। लोग अकसर बीमार होने के बाद इलाज पर ध्यान देते हैं। हम सेहत का महत्व जानते हुए भी उसे अनदेखा कर देते हैं। असल में अच्छी सेहत के लिए जिम में ज्यादा समय बिताने की बजाय अपनी सोच को बदलने की जरूरत है। दिमाग को समझना होगा कि हमारा शरीर रोगमुक्त और प्रसन्न रहना चाहता है।

www.deepakchopra.com

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

छत्तीसगढ़ के स्कूलों में मध्याह्न भोजन में मिलेगा अंडा, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से एमओयू

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग ने छात्रों के पोषण आहार में सुधार की दिशा में पहला कदम बढ़ा दिया है। विभाग ने अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के साथ एक एमओयू साइन किया है, जिसके तहत राज्य के 7 जिलों के सभी स्कूली छात्र-छात्राओं को मध्याह्न भोजन के साथ रोजाना अंडा मिलेगा। एमओयू की जानकारी उप संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी कर दे दी गई है। भास्कर ने प्रमुखता के साथ कुपोषण का मुद्दा उठाया। 26 नवंबर को प्रकाशित खबर में बताया कि केंद्र और राज्य के बीच कैसे कुपोषण के आंकड़ों में दोगुने का अंतर है, यही वजह है कि योजनाएं बनाने में अड़चन आ रही है। इस योजना में 6 माह से 6 साल तक के बच्चे शामिल हैं। वहीं 27 नवंबर को प्रकाशित खबर में स्कूलों में बंटने वाले मध्याह्न की हकीकत को सामने रखा। बताया कि प्राइमरी स्कूल के छात्रों को सिर्फ5.69 रुपए में पोषणयुक्त खाना खिलाना है, जो संभव नहीं। विभागीय अधिकारी खुद इसे स्वीकार कर रहे हैं। दबी जुबान में कह रहे हैं कि योजना केंद्र की है, निर्णय केंद्र को लेना है। इन जिलों में मिलेगा अंडा- बलरामपुर, सरगुजा, जशपुर, रायगढ़, सूरजपुर, कोंडागांव और नारायणपुर। इन जिलों का चयन इसलिए किया गया क्योंकि यहां कुपोषण अपेक्षाकृत अन्य जिलों की तुलना में अधिक है। स्कूल शिक्षा विभाग के सहायक संचालक महेश नायक ने बताया कि टेंडर जारी करने के निर्देश जनवरी से मध्याह्न भोजन की थाली में अंडा परोसा जाने की तैयारी है। 7 जिलों के स्कूलों में अंडा मुहैया करवाने के लिए टेंडर जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

निर्माणाधीन सड़क का कार्य निर्धारित अवधि में पूर्ण कराएं : कलेक्टर

कांकेर। कांकेर शहर में निर्माणाधीन सड़कों के निर्माण कार्य प्रगति की जमीनी हकीकत से अवगत होने कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बुधवार दोपहर 12.00 बजे लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि निर्माण कार्य की गति के चलते शहरवासियों को किसी तरह की परेशानी न होने पाए, इसका विशेष तौर पर ध्यान रखते हुए सड़क जल्द से जल्द और पूर्ण गुणवत्ता के साथ बनाई जाएं। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आज दोपहर को आयोजित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सड़क निर्माण के दौरान पेड़, स्ट्रक्चर या अन्य किसी प्रकार की बाधा आती है संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर दूर कर लें, किन्तु गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए। साथ ही अलग-अलग समस्याओं को बिंदुवार समेकित कर सूची प्रस्तुत करने के भी निर्देश कलेक्टर ने कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग को दिए। जनवरी माह में होने वाले मेले से पहले डामरीकरण पूर्ण कर लिया जाएगा- बैठक में उपस्थित संबंधित निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि ने बैठक में बताया कि वर्तमान में सब इंजीनियरों के द्वारा टेस्टिंग एवं अन्य प्रकार के तकनीकी कार्य सम्पादित किए जा रहे हैं और निर्माण कार्य का काम शीघ्रता से कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सड़कों का डामरीकरण सहित सभी प्रकार के निर्माण कार्य निर्धारित तिथि यानी फरवरी 2024 तक पूर्ण कर लिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि शहर से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर 3.60 किलोमीटर का सड़क चौड़ीकरण कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माण 26.81 करोड़ रूपए की लागत से किया जा रहा है, जिसके निर्माण की पूर्णता तिथि फरवरी 2024 है।

जिले की सीमा में पकड़ा गया महाराष्ट्र से लाया गया अवैध धान

मोहला। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में खाद्य विभाग, एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों के द्वारा कोचियों बिचौलियों का धान समिति में न खपाया जा सके इस बात को ध्यान में रखते हुये लगातार धान खरीदी केन्द्रों एवं जिले की सीमा से लगे क्षेत्र का निरीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान महाराष्ट्र की सीमा से लगे रामगढ में पिकप वाहन क्रं.रू ll333406 को रोक कर पूछताछ की गई जिसमें धान का अवैध परिवहन होना पाया गया। वाहन के ड्राईवर मोहम्मद इरफान एवं उनके साथी सोम जी उइके द्वारा मुरूमगांव महाराष्ट्र से 60 बोरी में 24.00 क्विंटल धान भरकर एकटकन्हार मोहला निवासी मुकेश पाल के पास ले जाया जाना बताया गया। धान के संबंध में किसी भी प्रकार का दस्तावेज उनके पास नहीं पाया गया। उपभोक्ता संरक्षण की अनुमति के बिना अन्य राज्य से धान लाने पर प्रतिबंध है।

अवैध चौपाटी व चखना सेंटरों पर चलेगा बुल्डोजर : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने अवैध छोटे-बड़े कब्जों पर कार्रवाई करने के सख्त निर्देश दिए हैं। अवैध कब्जा एवं चखना सेंटरों को हटाने जिला प्रशासन ने सभी नगरीय निकायों को दिए निर्देश। बैठक में सभी नगरीय निकाय के अधिकारियों को यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए अवैध चौपाटियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके अलावा अवैध ठेले गुमटियों व चौपाटियों पर भी कार्रवाई करने कहा।

कुछ लोगों द्वारा पक्के मकान व दुकानें बना बैठे हैं, जबकि कुछ लोगों ने अन्य जगह पर अवैध कब्जा किया हुआ है। जिला प्रशासन ने पुलिस के सहयोग से उक्त स्थानों पर अभियान चलाकर बुल्डोजर मशीनों को साथ लेकर उक्त स्थान से अवैध कब्जे हटाने की कार्रवाई शुरू करने को कहा। कलेक्टर ने चखना दुकानों पर सख्त कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। शराब दुकानों के आसपास चखना दुकानों की वजह से राह चलने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। चखना दुकानों को चिन्हित करके कार्रवाई करने को कहा। सड़क किनारें स्थित सभी छोटे-बड़े कब्जों को हटाया जाएगा। यातायात को बाधित करने वाले ठेला तथा दुकान के बाहर साइन बोर्ड हटाकर सड़क को बाधा मुक्त किया जाएगा। उन्होंने कहा रोड़ पूरी तरह खाली एवं व्यवस्थित दिखना चाहिए। कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्तों एवं सभी निकायों के नगर पालिका अपनी उपस्थिति में अवैध कब्जों पर कार्रवाई करें। साथ ही उन्होंने नगर निगम आयुक्तों को सड़क किनारे फल व सब्जी ठेलों को हटाने को कहा। सड़कों के किनारे खड़ी ठेलो और दुकानों के बाहर बोर्ड, बैनर पोस्टर एवं होल्डिंग्स को हटाने कहा, जिससे यातायात सुव्यवस्थित हो सके। सड़क खाली एवं व्यवस्थित दिखाई देना चाहिए। फुटपाथ पर कब्जा जमाए हुए हैं उन सभी को हटवाकर दुबारा न लगाने की समझाईश दी जाए। सड़क के किनारे व्यवसाय कर रहे सर्विस रोड किनारे से अतिक्रमण कर सड़क पर से अवैध कब्जा हटाने को कहा, नही हटाए जाने पर जुर्माने एवं सामान जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

ठेलों को व्यवस्थित करने आयुक्त नगर निगम को निर्देश दिए। उन्होंने आयुक्तों से जगह चिन्हांकित कर ठेलों को शिफ्ट करने को कहा। उन्होंने कहा कि ठेलों को वेडिंग जोन में रखना संभव न हो तो सड़क किनारे स्थान जहां ठेला लगाया जा सके उसे स्थान पर ठेलों को व्यवस्थित करने को कहा। बैठक के दौरान सड़कों पर घुमंतु भिक्षुओं को चिन्हांकित करने एवं सड़क किनारे पड़ी कंडम गाड़ियों की भी समीक्षा की।

अधिकारियों ने बताया कि घुमंतु भिक्षुओं को चिन्हांकित किया गया है एवं कंडम गाड़ियों को व्यवस्थित किया जा रहा है। बैठक में अपर कलेक्टर एवं नगर निगम भिलाई के आयुक्त रोहित व्यास, नगर निगम दुर्ग आयुक्त लोकेश चंद्राकर, नगर निगम रिसाली आयुक्त आशीष देवांगन, अपर कलेक्टर गोकुल रावटे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अश्वनी देवांगन सहित नगरीय निकाय के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर-एसपी पहुंचे करजी धान खरीदी केंद्र, किसानों से की बात

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। जिले में धान खरीदी जारी है। बुधवार को कलेक्टर कुन्दन कुमार और पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा करजी में धान खरीदी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने धान बेचने आए किसानों से बात भी की। उपार्जन केंद्र में मौजूद महिला किसान मिथिलेश कुशवाहा से कलेक्टर ने बात कर धान खरीदी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। महिला किसान ने बताया कि वे करजी की रहने वाली हैं और उनके पास 2.50 हेक्टेयर भूमि है। उपार्जन केंद्र में महिला किसान से धान खरीदी की ऑनलाइन एंट्री किए जाने की प्रक्रिया का कलेक्टर ने स्वयं बैठकर अवलोकन किया और किसान को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने धान की स्टैकिंग और अपने समक्ष उपार्जन केंद्र में आए धान की आर्द्रता और तौल का अवलोकन किया।

कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों में की जा रही अब तक कुल धान खरीदी एवं उठाव, धान के सुरक्षित रख रखाव, बारदाने की उपलब्धता, किसानों का पंजीयन आदि के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही सभी एसडीएम, तहसीलदार, पटवारियों एवं संबंधित अधिकारियों को उपार्जन केंद्रों के सतत निरीक्षण के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि धान खरीदी के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने उपार्जन केन्द्रों में खरीदी पश्चात रखे गए धान को बेमौसम बारिश से सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। उपार्जन केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में कैप कव्हर और पानी के निकासी हेतु आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित होना चाहिए। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि सरगुजा जिले में धान बेचने हेतु कुल पंजीकृत कृषक संख्या 58409 हैं।

पॉजिटिव होना जरूरी नहीं, निगेटिव नहीं होना बड़ी बात है: कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत आचार संहिता प्रभावशील होने के बाद जिले में निर्वाचन दायित्वों को जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों सहित निर्वाचन कार्य में संलग्न सभी मास्टर ट्रेनर्स, माइक्रो ऑब्जरवर्स तथा छोटे से लेकर बड़े कार्यों में निर्वाचन कार्यों में सहयोग करने वाले कर्मचारियों के प्रति कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार ने आभार प्रकट करने के साथ ही उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।

उन्होंने इस दौरान कहा कि सभी ने बड़ी मेहनत से काम किया है और निष्पक्षता तथा पारदर्शिता को भी बनाए रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाई। कलेक्टर ने कहा कि निर्वाचन कार्यों में किसी की कोई शिकायत भी नहीं आई, सामने वालों का भरोसा भी कायम रहा। आरोप-प्रत्यारोप भी नहीं लगे। मेरा मानना है कि पॉजिटिव ही होने से ज्यादा जरूरी निगेटिव नहीं होना बड़ी बात है।

जिला पंचायत सभा कक्ष में निर्वाचन कार्यों का सफलता पूर्वक क्रियान्वयन होने पर निर्वाचन में संलग्न सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को शुभकामनाएं भी दी गई। कलेक्टर ने कहा कि यदि किसी से गलती हुई हो तो वे कार्यों में सुधार अवश्य करें। निर्वाचन का कार्य भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत प्रक्रियात्मक तरीके से संपादित की जाती है। आने वाले कुछ महीनों में लोकसभा का भी चुनाव है, ऐसे में आपके द्वारा किए गए कार्यों का लाभ आपको मिलेगा। निर्वाचन के कार्य को गंभीरता से लेना चाहिए, लापरवाही पर करियर में दाग लग जाता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता का ध्यान जरूरी है। कार्यों में कोताही पर कार्यवाही अवश्य की जानी चाहिए ताकि अन्य लोगों को भी इससे प्रेरणा मिले। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य में लगी टीम अच्छी थी, जो कार्य सौंपा गया था समय पर पूरा किया गया। कार्यक्रम में रिटर्निंग अधिकारियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिए गए निर्देश तथा लगातार समीक्षा के पश्चात अनेक शंकाओं को दूर कर निर्वाचन के कार्यों को समय पर पूरा करने में आसानी होगी।

सांसद संतोष पांडेय ने लोकसभा में की राजनांदगांव को डाक विभाग संभाग बनाने की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पांडेय ने बुधवार को लोकसभा में राजनांदगांव में डाक विभाग का संभाग नहीं होने से होने वाली परेशानियों का मुद्दा उठाया और राजनांदगांव को डाक विभाग का संभाग बनाने की मांग की। सांसद संतोष पांडेय ने सदन में अपनी बात रखते हुए कहा कि संसदीय क्षेत्र राजनांदगांव में डाक विभाग का उपसंभाग है, किंतु संभागीय कार्यालय भिलाई (दुर्ग) में होने के कारण राजनांदगांव जिला सहित पास लगे हुए अन्य जिले व लोकसभा क्षेत्र के नागरिक एवं कर्मचारी डाक विभाग से संबंधित कार्य हेतु भिलाई (दुर्ग) पर निर्भर रहते है। सांसद ने कहा कि डाक संभाग कार्यालय दूरस्थ होने के कारण आम जनता का समय और आवागमन में पैसा दोनों बर्बाद होता है। गत दिनों संसदीय क्षेत्र के जिलों की संख्या दो से बढ़कर चार हो गई है। जिसमें से एक जिला पूर्णता आदिवासी जिला है। राजनांदगांव उपसंभाग के तहत वर्तमान में जिला कबीरधाम, जिला खैरागढ़- छुईखदान-गंडई, जिला मोहला-मानपुर-चौकी जो कि पूर्णता आदिवासी जिला भी है, विकासखंड डोंगरगढ़ व डोंगरगांव, उपसंभाग के रूप मे कार्यरत है।

सभी उपसंभाग की दूरी राजनांदगांव जिला मुख्यालय से समीप है लेकिन वर्तमान संभागीय कार्यालय की औसत दूरी सभी जिलों से 120 किमी है। इसके मद्देनजर उक्त उपसंभागों को जोड़कर राजनांदगांव को पूर्ण संभाग का दर्जा देने की मांग की। संभाग बन जाने से डाक विभाग से संबंधित समस्त कार्य राजनांदगांव से होने लगेगा तथा संपूर्ण कार्य में अनावश्यक विलंब ना होकर कार्य त्वरित गति से होने लगेगा।

निभाया वादा, भाजपा प्रत्याशी की हार पर मुंडवाया आधा सिर और मूंछ

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। छत्तीसगढ़ में चुनाव के दौरान कुछ दिलचस्प चीजें भी सामने आई हैं। कार्यकर्ता अपने प्रत्याशी की जीत का दावा करते हैं और इसके लिए शर्तें भी लगाते हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव में महासमुंद जिले की खल्लारी विधानसभा में जीत हार को लेकर हैरान करने वाली शर्त लगी।

शर्त लगाने वाले भाजपा कार्यकर्ता ने शर्त हारने के बाद अपने वादे को निभाया और लोगों में आकर्षण का केंद्र बन गया। खल्लारी विधानसभा के ग्राम बिहाझर के रहने वाले 48 वर्षीय डेरहा राम यादव, जो कि इलेक्ट्रिशियन का काम करते है। उन्होनें ने खल्लारी विधानसभा से बीजेपी प्रत्याशी अल्का चंद्राकर की जीत का दावा करते हुए अपने दोस्तों से शर्त लगाई थी कि अल्का चंद्राकर के चुनाव हारने पर वह अपने सिर के आधे बाल और आधी मूंछ साफ करा लेंगे। इसके बाद चुनावी नतीजों में अल्का चंद्राकर की हार के बाद डेरहा राम ने अपना वादा पूरा किया और सुर्खिया का केंद्र बन गए। डेरहा राम यादव का ये वीडियो सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रहा है।

डेरहा राम का कहना है कि हम कांग्रेस की तरह वादाखिलाफी करने वालों में से नहीं है। डेरहा राम ने कहा कि हम भाजपा के कार्यकर्ता हैं जो वादा करते हैं उसे निभाते हैं।

सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम व सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण होमस्टे प्रतियोगिता का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली। पर्यटन मंत्रालय ने देश में ग्रामीण पर्यटन के प्रचार और विकास को बल प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम प्रतियोगिता 2024 और राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण होमस्टे प्रतियोगिता 2024 का शुभारंभ किया है। राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम प्रतियोगिता 2023 के पूर्व संस्करण ने पूरे भारत के 35 ग्रामों को स्वर्ण, रजत और कांस्य श्रेणियों में मान्यता प्रदान की थी।

पर्यटन मंत्रालय की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए आवेदन 31 दिसंबर तक आमंत्रित

MINISTRY OF TOURISM
GOVERNMENT OF INDIA

भारत में ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहन देने के साथ ही राष्ट्रीय कार्यनीति द्वारा ग्रामीण होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने भारत में ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए व्यापक राष्ट्रीय रणनीति और रोडमैप का शुभारंभ किया। पर्यटन मंत्रालय ने भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान के सहयोग से राष्ट्रीय कार्यनीतियों के कार्यान्वयन की शुरुआत की है।

ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे को प्रोत्साहन देने के लिए विशिष्ठ पहलों में से एक राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम और राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण होमस्टे प्रतियोगिता का आयोजन करना है। सहयोग को बढ़ावा देने और ग्रामीण पर्यटन की संवृद्धि के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने हेतु, मंत्रालय ने इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से सरकारों, उद्योग हितधारकों, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और स्थानीय समुदायों को सक्रिय रूप से कार्यबद्ध किया है। यह बहु-हितधारक पद्धति ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को बल प्रदान करने के प्रयासों में तालमेल बनाती है। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य ग्रामीण पर्यटन में उत्कृष्ट योगदान की पहचान करने और उन्हें पुरस्कृत करने के लिए ग्रामों और ग्रामीण होमस्टे के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को विकसित करना है, जिससे समुदायों और व्यक्तियों को सतत विकास लक्ष्यों में सक्रिय योगदान के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इन प्रतियोगिताओं से न केवल अन्वेक्षित क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, तथापि सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने, सांस्कृतिक प्रामाणिकता को संरक्षित करने और पर्यटन क्षेत्र में दीर्घकालिक और उत्तरदायी अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए एक तरंगित प्रभाव भी पैदा होगा।

पर्यटन मंत्रालय ने ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए की गई पहल के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसी, ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे (सीएनए आरटी और आरएच) की स्थापना की है। सीएनए आरटी एंड आरएच ग्रामीण स्तर पर प्रतियोगिताओं के प्रचार-प्रसार हेतु मास्टर ट्रेनर तैयार करने के लिए राज्यों के लिए क्षमता निर्माण सत्र आयोजित कर रहा है।

बे मौसम बारिश ने बढ़ाई किसानों की चिंता

गरियाबंद। जिले में हो रहे बे मौसम बारिश ने किसानों के किए किराए पर पानी फेर दिया है साथ ही चिंता भी बढ़ा दी है धान की कटाई अभी बचा हुआ है खेतों में खड़ी फसल तो पूरी तरह चौपट हो ही रहे साथ है किसानों के द्वारा खलिहान में रखे धान की समय पर मिजाई नहीं होने से तिरपाल या झिल्ली में ढक के रखे हुए हैं तो वही कुछ खलिहान में धान के बाली लगे गट्ठे (बीड़ा) ऐसे ही पड़ा हुआ है।अचानक हुए बे मौसम बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है।जो किसी आफत से कम नही तो वही कड़ाके की ठंड से सर्द हवाएं चल रही है।सोमवार रात से चालू हल्की हल्की बारिश बुधवार को दिनभर झड़ी का रूप ले लेकर र रुक-रुक कर बारिश होती रही लोग अलाव जलाकर दुबके रहे तो वही जरूरी काम के लिए आवाजाहि करने वाले लोग रेनकोट के सहारे व छत्ता के सहारे आना जाना जारी रखे हुए थे,तो दूसरी तरफ सरकारी स्कूल और प्राइवेट स्कूलों में मौसम को देखते हुए बच्चो की जल्दी छुट्टी कर दिया गया।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

पर्यटकों से भरी बस पलटी, दो को मामूली चोट

पाली। रायपुर से चैतुरगढ़ आए पर्यटकों की बस वापसी के समय चैतुरगढ़ से लगभग पांच किलोमीटर दूर बगदरा गांव के नीचे पलट गई। बताया जा रहा है कि रायपुर से 30 पर्यटकों को लेकर बस क्रमांक सीजी 04-ई-1807 चैतुरगढ़ आई थी। यहां महिषासुर मर्दनी का दर्शन करने के बाद सभी लोग बस में सवार होकर वापस रायपुर लौट रहे थे, तभी बगदरा गांव के नीचे बड़ा घाट के पास अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हालांकि माता रानी की कृपा से किसी भी पर्यटक को गंभीर चोट नहीं लगी। दो लोगों मामूली चोटें आई है, शेष सभी यात्री सकुशल हैं। बाद में सभी यात्रियों को दूसरे वाहन से रायपुर के लिए रवाना कर दिया गया।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो पलटी, नवदंपति को मामूली चोट

कोरबा। कटघोरा- अंबिकापुर राष्ट्रीय राजमार्ग में हसदेव पुल घाट के समीप तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना में नव दंपत्ति कार के भीतर फंस गए। सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला औरयात्री बस में कटघोरा रवाना किया। घटना रात करीब 9.40 बजे की है। बताया जा रहा है कि अंबिकापुर में रहने वाला युवक अपनी पत्नी के साथ स्वजनों से मिलने जा रहा था। अभी कटघोरा अंबिकापुर नेशनल हाइवे क्रमांक 130 में हसदेव पुल घाट के पास पहुंचे थे। इसी दौरान युवक ने कार से नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित कार क्रमांक सीजी 04 केक्यू 7932 सड़क किनारे खाई में पलट गई। नव दंपत्ति कार के भीतर ही फंस गए। इसकी सूचना राहगीरों ने डायल 112 के कंट्रोल रूम में दी। सूचना मिलते ही डायल 112 के शिव चौहान चालक नीरज पांडेय के साथ मौके पर पहुंचा। टीम ने मशक्कत के बाद कार में फंसे नव दंपति को बाहर निकाला। घटना में नव दंपति को मामूली चोटे आई थी। उन्हें यात्री बस से रात्रि विश्राम के लिए कटघोरा रवाना किया गया।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार इंजीनियर गणेश की मौत

कोरबा। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार इंजीनियर की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई की। घटना उरगा थाना अंतर्गत ग्राम कुदुरमाल के पास घटित हुई। बताया जा रहा है कि ग्राम संडैल निवासी गणेश यादव 30 वर्ष कोरबा में एक ठेका कंपनी में इंजीनियर के पद पर कार्यरत था।

मंगलवार की रात कंपनी में कार्य खत्म करने अपनी बाइक से घर लौट रहा था, तभी कुदुरमाल मुख्य मार्ग में किसी अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। घटना में गणेश का गंभीर रूप से चोट लगी। राहगीरों ने घायल अवस्था में देख घटना की सूचना डायल 112 को दी। डायल 112 की टीम ने उसे अस्पताल भेजा जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

भिलाई में चरित्र शंका में पत्नी की गला घोंटकर हत्या

पड़ोस में जाती थी पत्नी, पति करता था मना, नहीं मानी तो कर दी हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पांच दिन पहले भिलाई के छावनी थाना क्षेत्र में मंशा देवी (28) की संदेहास्पद मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि मंशा की मौत कोई दुर्घटना नहीं बल्कि हत्या थी। उसकी हत्या उसके पति राजेश कुमार ने की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है।

एएसपी सिटी अभिषेक झा ने बताया कि छावनी थाना अंतर्गत सुंदर नगर तालाब के पास कैंप 1 निवासी राजेश कुमार उर्फ राजू (34 साल) ने अपनी पत्नी मंशा देवी को गंभीर हालत में शासकीय अस्पताल सुपेला पहुंचाया था। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। डॉक्टरों ने मर्ग मेमो रिपोर्ट छावनी थाने भेजी। छावनी पुलिस ने शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद पीएम के लिए भेजा।

पुलिस ने मर्ग जांच के दौरान जब मंशा के पति राजेश से पूछताछ की तो उसने बताया कि वो बच्चों को स्कूल लेने के लिए गया था। उसकी पत्नी मंशा घर में थी। जब वो बच्चों को लेकर घर पहुंचा तो देखा कि मंशा पलंग पर बेहोश पड़ी है। इसके बाद उसने उसे अस्पताल पहंचाया जहां उसे मृत बताया गया।

मृतका के माता पिता को था हत्या का अनुमान

पुलिस ने बताया कि मंशा के परिजनों को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने पुलिस से उनके आने पर ही अंतिम संस्कार करने का निवेदन किया। इसके बाद पुलिस ने 4 दिसंबर को मंशा के मायके वालों के उत्तर प्रदेश से आने के बाद पोस्टमार्टम कराया और शव उनके सुपुर्द किया। परिजनों उस दौरान आरोप लगाया कि उनकी बेटी की हत्या की गई है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई मारपीट करने पुष्टि

पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर ने शार्ट पीएम रिपोर्ट भी लिया। उसमें हेड इंजरी के साथ ही यह बात सामने आई की मंशा के साथ मारपीट की गई थी। जब पुलिस ने पूछताछ की तो यह सच्चाई पता चली कि राजेश अक्सर मंशा के साथ मारपीट करता था। एक जनवरी की सुबह मंशा अपने पड़ोस के घर गई थी। उस बात को लेकर भी राजेश ने उसे झगड़ा करते हुए मारपीट की थी। इसी मारपीट के बाद मंशा बुरी तरह से घायल हो गई और इसके कारण की उसकी मौत हुई है। बहरहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

सख्ती से पूछताछ करने पर पति ने कबूला जुर्म

पुलिस ने जब आरोपी राजेश को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसको अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था। घटना के दिन भी उसने उसे पड़ोसी के घर जाने से मना किया था, वो नहीं मानी इसलिए मारपीट किया। वो इतने गुस्से में आ गया था कि उसने मंशा का गला दबाया और उसका सिर जोर से दीवार पर टकरा दिया। सिर पर अधिक चोट आने से उसकी मौत हो गई। इसके बाद उसने खुद को बचाने के लिए गलत कहानी पुलिस को बताई।

हत्या के मामले में 5 आरोपियों को मिली उम्र कैद की सजा

■ पैसे के विवाद पर सुरक्षा एजेंसी के सुपरवाइजर की सुपारी देकर कराई थी हत्या

बिलासपुर। 5 साल पहले एक सिक्यूरिटी गार्ड एजेंसी के संचालक की गोली मार हत्या कर दी गई थी। इस मामले में सिरगिट्?टी पुलिस ने प.बंगाल के आसनसोल में सिक्यूरिटी एजेंसी के संचालक प्रभुनाथ सिंह समेत यूपी के बलिया जिले में रहने वाले विमल उर्फविमलेश सिंह, मिथलेश सिंह उर्फ बबलू, अनूप कुमार तिवारी उर्फ गोलू, बाबू पांडेय उर्फ घनश्याम उपाध्याय को गिरफ्तार किया था। इसके अलावा मृतक शंकर प्रसाद के मामा के बेटे, हरीश पासवान को भी आरोपी बनाया गया था, हालांकि अब उसकी मौत हो चुकी है। 5 साल बाद सत्र न्यायालय के जज ने सभी आरोपियों को हत्या का दोषी पाया और उम्र कैद की सजा सुनाई है।

10 अप्रैल 2018 को महमंद बाइपास स्थित पद्दहाखार में एक शव पड़े होने की सूचना सिरगिट्टी पुलिस को मिली थी। मृतक की शिनाख्त शंकर प्रसाद उम्र 43 वर्ष प के रूप में हुई। शंकर की पिस्टल से गोली मारकर हत्या की गई थी। पुलिस को जांच में पता चला कि शंकर 2010 से 2017 तक आसनसोल में रहते हुए प्रभुनाथ सिंह की एजेंसी में सुपरवाइजर था। इस बीच 2017 में शंकर व प्रभुनाथ के बीच पैसों के हिसाब को लेकर विवाद हो गया और शंकर उससे अलग होकर काम करने लगा। इसके बाद प्रभुनाथ ने शंकर की हत्या के लिए उसके ममेरे भाई हरीश पासवान को 5 लाख की सुपारी दे दी। हरीश ने विमलेश सिंह, मिथलेश सिंह, अनूप कुमार तिवारी, घनश्याम उपाध्याय को बिलासपुर भेजकर शंकर की हत्या कराई थी। बुधवार को जिला कोर्ट ने सभी आरोपियों को धारा 302 के तहत हत्या, आर्म्स एक्ट के तहत दोषी मानते हुए उम्र कैद की सजा सुनाई है।

एनटीपीसी में नौकरी लगाने के नाम पर युवक से धोखाधड़ी, अफसरों से पहचान का दिया था झांसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। पढ़े लिखे युवको को एनटीपीसी में जान परिचय का झांसा देकर 50 हजार प्रति व्यक्ति के नाम पर दो लाख रुपये ठगी करने का मामला सामने आया है। ठग पर कोतरारोड पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में ली है।

खरसिया मदनपुर रहने वाले तुरिन्दर बघेल (27) द्वारा मंगलूडीपा कोतरारोड़ में रहने वाले शशिभूषण महेंद्र के विरूद्ध एनटीपीसी लारा में जूनियर इंजीनियर के पर नौकरी के नाम पर दो लाख रुपये लेकर धोखाधड़ी करने के संबंध में आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया।

रिपोर्टकर्ता तुरिन्दर बघेल ने बताया कि वर्ष 2018 में रायपुर में बी.ई. की पढ़ाई कर रहा था। जहां साथ में खैरपुर रायगढ का यशवंत महतो, मालखरौदा का मुकेश सिदार, धमतरी का चद्रकांत यादव और जांजगीर चांपा का लिलेद्र कुमार भी पढ़ रहे थे। यशवंत महतो से मिलने उसका दोस्त मंगलूडीपा ईला माल रायगढ़ में रहने वाला शशीभूषण महेन्द्र अक्सर रायपुर आता था जिससे सभी का बातचीत होता था। वही, शशीभूषण बताया कि उसकी गाडियां लारा एनटीपीसी में चलती है तथा वहां के अधिकारियों से उसकी अच्छी जान पहचान है।

उसने बताया कि एनटीपीसी लारा में जूनियर इंजीनियर का वेकेन्सी निकला हुआ है यदि आप लोग वहां जॉब करना चाहते है तो वहां पर नौकरी लगवा दूंगा। उसकी बातों में आकर नौकरी लगाने की एवज में एडवांस में चारों लोग मिलकर 50,000 प्रति व्यक्ति कुल 2,00,000 रूपये उसके घर ईला माल में दिये थे । शशिभूषण बोला कि एक सप्ताह बाद सभी को ज्वानिंग के लिये फोन करूंगा तब आना। ज्वाईनिंग के 06 माह की ट्रेनिंग दौरान 16,000 रुपए मासिक वेतन मिलेगा तथा ट्रेनिंग समाप्ति के पश्चात् वेतन में वृद्धि हो जायेगा। एक सप्ताह व्यतीत होने के बाद शशिभूषण का कोई फोन नहीं आया। शशिभूषण से पूछा, उसने अभी गेट पास जारी नहीं हुआ है कहकर टाल मटोल किया। शशिभूषण से कई बार संपर्क किये पर शशिभूषण नौकरी नहीं लगा पाया और एक साल में रूपये वापस कर दूंगा कहकर अब तक रूपये वापस नहीं किया है। पीड़ित की लिखित आवेदन पर आरोपी पर धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

मुल्जिम को पेशी पर ले जाते पुलिसकर्मियों ने पी थी शराब, शिकायत पर एसपी ने किया सस्पेंड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ एसपी ने पुलिसिया लापरवाही पर बड़ी कार्रवाई की है।जिसमें शराब सेवन कर मुल्जिम पेशी में जाने रक्षित निरीक्षक केंद्र आने पर आर आई की रिपोर्ट पर पुलिस कप्तान ने 3 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया है।

जानकारी के मुताबिक बीते चार दिसंबर को रक्षित निरीक्षक अमित सिंह ने यगढ़ मुल्जिम पेशी करने गए पुलिसकर्मियों की जांच की। इस दौरान मुल्जिम पेशी कराने आये आरक्षक फेड्रिक कुजूर, विमल तिग्गा और संदीप लकड़ा से बातचीत करने पर उनके मुंह से शराब की गंध आयी और वे बातचीत में लड़खड़ाने लगे।

रक्षित निरीक्षक द्वारा तीनों आरक्षकों का जिला अस्पताल से मुलाहिजा कराकर अपना प्रतिवेदन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायगढ़ को प्रस्तुत किया गया । रक्षित निरीक्षक के प्रतिवेदन पर प्रथम दृष्टया आरक्षकों द्वारा अपने पदीय दायित्व के विपरीत कार्य का प्रदर्शन करना पाए जाने पर तीनों आरक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर रिजर्व पुलिस लाइन अटैच किया गया है जिन्हें निलंबन अवधि में जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

साथ ही रिजर्व इंस्पेक्टर अमित सिंह को 05 दिवस के भीतर प्राथमिक जांच कर प्रतिवेदन देने आदेशित किया गया है।

विदित हो कि एसएसपी सदानंद कुमार कार्य में लापरवाही बरतने वाले पर पहली कार्रवाई की है। वही उन्होंने समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारियों एवं थाना, चौकी प्रभारियों के मार्फत अधीनस्थ पुलिसकर्मियों को अनुशासन में रहकर कर्तव्यों का निष्पादन करने एवं आमजन से शालीनता से व्यवहार किए जाने निर्देश दिए गए हैं।

पूर्व संयुक्त संचालक आरएन हीराधर के विरूद्ध स्पेशल कोर्ट ने जारी किया गिरफ्तारी वारंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा समेत विभिन्न जिलों में पदस्थ रहे पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी व रिटायर्ड संयुक्त संचालक आरएन हीराधर के खिलाफ एसीबी का चालान पेश होते ही स्पेशल कोर्ट ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए हीराधर ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत अर्जी लगाई है। सन् 2021 में हीराधर के खिलाफदस्तावेजों के साथ एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत की गई थी कि उनके पास करोड़ों की संपत्ति है।

यह संपत्ति उन्होंने बिलासपुर में जिला शिक्षा अधिकारी रहने के दौरान अर्जित की है। इसके बाद एंटी करप्शन ब्यूरो ने छापा मारा और आय से अधिक संपत्ति पाया, जिसका कोई हिसाब नहीं है।

एसीबी ने जांच में पाया था कि बिलासपुर की विजयापुरम कालोनी में उनकी पत्नी भुनेश्वरी के नाम पर 2500 वर्गफीट का प्लाट है जिसमें दो मंजिला मकान है। जमीन की कीमत करीब 48 लाख रुपये और मकान करीब एक करोड़ का है। बिलासपुर के ही मोपका में बेटे रूबेल के नाम पर 50 लाख रुपए की 4820 वर्गफीट जमीन है। विजयापुरम् में ही बेटे राहुल के नाम पर 25 वर्गफीट भूखंड है। बिलासपुर के चांटीडीह में हीराधर के नाम पर 3600 वर्गफीट जमीन है और उस पर तीन मंजिला मकान बना है। इसके अलावा कांकेर के चारामा में कई एकड़ कृषि भूमि बिलासपुर में पदस्थापना के दौरान खरीदी गई।

जीपीएम में 23 आरक्षक पदोन्नति पाकर बने प्रधान आरक्षक

■ एसपी योगेश पटेल से पदोन्न्ती पाने वाले सभी पुलिस कर्मियों को दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

पेण्ड्रा/गौरेला। गौरेला-पेंड्रा मरवाही जिले में पदस्थ 23 आरक्षक पदोन्नति पाकर प्रधान आरक्षक बने हैं। पुलिस नियंत्रण कक्ष में प्रमोशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। इसमें एसपी योगेश पटेल और पदोन्नत प्रधान आरक्षक के परिवार जन शामिल हुए।

बता दें कि इस वर्ष जिले में प्रधान आरक्षकों के खाली पद के लिए योग्य आरक्षकों का विभागीय पदोन्नति परीक्षा आयोजित की गई थी। इसमें से 23 आरक्षकों की योग्यता सूची 8 जून को पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज द्वारा जारी की गई थी। आदेश के परिपालन में विभागीय प्रमोशन कोर्स के बाद 5 दिसंबर को पदोन्नत आरक्षकों को प्रधान आरक्षक बनाया गया हैं।

जीपीएम जिले के 23 आरक्षकों को वरिष्ठता क्रम में आरक्षक रामकृष्ण मिश्रा, राजेंद्र भारद्वाज, पवन राठौर, संशूधन बरैठ, जगदीश नारायण, शंभू नामदेव, संतोष बंजारे, चंद्र प्रताप सिंह, मनहरण सिंह मराबी, अजय राजपूत, परमेश्वर सिंह, मोतीराम पैकरा, रवि त्रिपाठी, चौपाल कश्यप, मदन सिंह आर्मो, संतोष तिवारी, सुशांत वर्मा, रमडिक जायसवाल, मोहनलाल रजक, आशीष मिश्रा, विनोद प्रताप सिंह परिहार, रणजीत सिंह कंवर, देवनारायण राठौर व सतीश यादव को प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नति दी गई है। सभी को एसपी योगेश पटेल व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा ठाकुर रावटे, उप पुलिस अधीक्षक मीरा अग्रवाल ने प्रधान आरक्षक का फीता लगा कर शुभकामनाएं दी। एसपी ने कहा कि आप सब अपने दायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन करेंगे। पुलिस विभाग की छवि को बरकरार रखेंगे, आपका व्यवहार आम जनता और स्टाफ के अधिकारी व कर्मचारियों के साथ अव्वल दर्जे का होना चाहिए।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग की एनएसएस टीमों ने किया राष्ट्रीय शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन

दुर्ग। हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग की दो पृथक-पृथक एनएसएस की टीमों ने क्रमषः नाडिया, पष्चिम बंगाल में आयोजित राष्ट्रीय एकता षिविर तथा पोंगडेम हिमाचल प्रदेष में आयोजित नेषनल वॉटर एडवेंचर कैंप में अपनी सफलता प्रदर्षित करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह जानकारी देते हुए विष्वविद्यालय के एनएसएस समन्वयक, डॉ. आर. पी. अग्रवाल ने बताया कि नाडिया पष्चिम बंगाल में आयोजित राष्ट्रीय एकता षिविर में विष्वविद्यालय के 10 सदस्यीय टीम का नेतृत्व स्वामी श्री स्वरूपानंद महाविद्यालय, भिलाई की एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संयुक्ता पाढ़ी ने किया। विद्यार्थियों ने नाडिया पष्चिम बंगाल में छत्तीसगढ़ महतारी पर केन्द्रित सांस्कृतिक प्रस्तुति के दौरान कर्मा नृत्य, गेड़ी नृत्य तथा पंथी नृत्य प्रस्तुत कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि विष्वविद्यालय की दूसरी एनएसएस की टीम ने पोंग डेम, हिमाचल प्रदेष में आयोजित राष्ट्रीय वॉटर एडवेंचर कैंप में हिस्सा लेकर प्रतिदिन 8-10 घंटे पानी में रहकर विभिन्न एडवेंचर गतिविधियों में हिस्सा लिया। टीम के सभी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्षन किया इस टीम की मैनेजर शासकीय इंदिरागांधी महाविद्यालय, वैषाली नगर, भिलाई की सहायक प्राध्यापक, डॉ. चांदनी मरकाम थीं।

डेढ़ घंटे की मेहनत एक डॉक्टर को ढाल दिया अम्बेडकर के रूप में

भिलाई। फिल्मों की शूटिंग में कैमरे के सामने किसी कलाकार को पेश करने से पहले सबसे चुनौतीपूर्ण काम होता है उस कलाकार को किरदार में ढालने का। इस काम में माहिर हैं बॉलीवुड में करीब 25 साल से सक्रिय सीनियर मेकअप आर्टिस्ट जुबैर अहमद। जुबैर को बॉलीवुड में गुड्डू भाई के नाम से जाना जाता है। गुड्डू ने बॉलीवुड में कई प्रमुख कलाकारों को नए गेटअप में ढाला है। हाल के बरसों में जीनत अमान, असरानी, जॉनी लीवर से लेकर कई कलाकारों के गेटअप कहानी की मांग के मुताबिक बदल चुके हैं। गुड्डू इन दिनों इस्पात नगरी भिलाई में हैं और यहां बड़े बजट की हिंदी फीचर फिल्म 'रमाई' में अपना योगदान दे रहे हैं। यह फिल्म भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की पत्नी रमा बाई अम्बेडकर के संघर्ष पर आधारित है। फिल्म में डॉ. अम्बेडकर की भूमिका में भिलाई स्टील प्लांट के अंतर्गत जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र सेक्टर-9 की बर्न यूनिट के प्रभारी और सेवाभावी चिकित्सक डॉ. उदय नजर आएंगे। वहीं डॉ. अम्बेडकर की पत्नी रमा बाई अम्बेडकर की भूमिका डॉ. उदय की पत्नी प्रेरणा निभा रही हैं। फिल्म में डॉ. उदय दंपति को डॉ. अम्बेडकर दंपति में ढालने सक्रिय सीनियर मेकअप आर्टिस्ट जुबैर अहमद उर्फ गुड्डू भाई रोजाना डेढ़ से दो घंटा देते हैं। गेटअप बदलने के दौरान गुड्डू ने बताया कि मेकअप करने से ज्यादा चुनौतीपूर्ण गेटअप बदलना होता है। उन्होंने बताया कि यहां उन्होंने डॉ. अम्बेडकर के कालखंड खास कर देश की आजादी और उसके बाद के दौर का करीब छह माह तक अध्ययन किया इसके अलावा डॉ. अम्बेडकर से जुड़ी तमाम फिल्में भी देखी। गुड्डू बताते हैं कि उन्हें ऐतिहासिक और पौराणिक पात्रों को मेकअप-गेटअप के जरिए रि-क्रिएट करना सबसे बेहतर काम लगता है।

दुर्ग-भिलाई के चखना सेंटरों पर छापेमारी, पुलिस की मौजूदगी में निगम ने कार्रवाई

निगम व पुलिस के द्वारा शराब दुकानों के पास बने चखना सेंटरों पर चलाया बुलडोजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत बुधवार को कलेक्टर दुर्ग व एसएसपी दुर्ग के निर्देश में निगम आयुक्त व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर सीएसपी दुर्ग , भिलाई व छावनी के नेतृत्व में बरसते पानी मे शहर के शराबभट्ठियों में नगर निगम अमला व पुलिस प्रशासन की कार्रवाई शुरू हो गई है। नगर निगम व पुलिस की टीम ने बुधवार को मौला गट्ठा के निकट पोटिया चौक के आगे और शिवनाथ नदी महमरा मार्ग नया पारा रोड से लगे भट्ठियों में जाकर चखना सेंटरों में बुलडोजर चला दिया।

शहर में शराब दुकानों के पास संचालित अवैध चखना सेंटरों को तोड़ा गया। शाम 6 बजे से शुरू किया नगर निगम अधिकारी व पुलिस प्रशासन की टीम ने मौला गट्ठा स्थित शराब दुकान के पास संचालित अहाता पर बुलडोजर चलाया। इसके बादा बाद पुराना पोटिया स्थित अहाता को जमींदोज किया।

इसी तरह महमरा मार्ग नया पारा रोड किनारे में संचालित चखना सेंटर को भी हटाया गया है। भिलाई 3 में उम्दा के चखना सेंटर, भिलाई में नेहरूनगर चखना सेंटर, जुनवानीं में देसी भट्ठी के पास चखना सेंटर को तोड़ा गया।

चखना सेंटरों से महौल हो रहा खराब

विदित है की शहर के अंदर सार्वजनिक स्थानों के पास संचालित इन अवैध चखना सेंटरों की वजह से आस-पास का माहौल खराब रहता था,दिन भर असामाजिक तत्वों के मजमा लगे रहने से महिलाओं का निकलना मुश्किल था। शहर के इन सभी चखना सेंटर के हट जाने से खुलेआम शराबखोरी और गुण्डागर्दी पर लगाम लगेगा। नगर निगम क्षेत्र के अलावा अन्य सभी जगहों से अवैध चखना सेंटरों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

भिलाई में इन जगहों पर हुई कार्रवाई

भिलाई निगम क्षेत्र मे संचालित शासकीय शराब दुकान के आस-पास अवैध रूप से चल रहे चखना सेंटर पर ताबडतोड कार्रवाई कर बांस बल्ली,भारी मात्रा मे डिस्पोजल, एक्सपायरी डेट के खाद्य सामाग्री, टीन टप्पर दो डम्फर जप्त किये। नेहरूनगर चौक से आगे बटालियन के सामने देशी दारू भट्ठी से कार्रवाई शुरु कर आयुक्त रोहित व्यास के साथ निगम का तोडफोड दस्ता शहर के पाँच स्थानो पर शराब दुकान के सामने तथा आस-पास अवैध रूप से चल रहे चखना सेंटर पर ताबडतोड कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान टीम के साथ अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी,जोन आयुक्त खिरोद्र भोई, भवन अधिकारी हिमान्शु देशमुख सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जे.पी.तिवारी,जोन स्वास्थ अधिकारी अनिल मिश्रा, नंदकुमार सिन्हा, ओम प्रकाश चन्द्राकर, इमान सिंग कन्नौजे, यात राम, मंगल जांगडे,कन्हैया यादव,गौकरण ,खेम लाल ,चैतु,विष्णु सोनी विश्वास मित्र, मान सिंग, अमर यादव, राजा मौजूद रहें।

बीएसपी द्वारा आयोजित दो दिवसीय लर्निंग फ्रॉम इच अदर कार्यशाला का समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सिंटर प्लांट विभाग द्वारा मानव संसाधन विभाग के सहयोग से आयोजित लर्निंग फ्रॉम इच अदर (लियो) कार्यशाला का समापन 06 दिसंबर 2023 को भिलाई निवास के बहुउद्देषीय सभागार में किया गया। कार्यशाला के समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेषक (कार्मिक एवं प्रषासन) पवन कुमार उपस्थित थे। कार्यषाला का विषय रिडक्षन ऑफ सिंटर रिटर्न फाइन्स-मुद्दे और अवसर है। इस दो दिवसीय कार्यषाला का आयोजन 05 से 06 दिसंबर, 2023 को भिलाई निवास में किया गया।

इस दो दिवसीय कार्यशाला में सेल की विभिन्न इकाई बीएसएल, डीएसपी, आईएसपी, आरएसपी, आरडीसीआईएस और माइन्स के साथ-साथ निजी इस्पात संयंत्रों जेएसडब्ल्यू, आरआईएनएल, टाटा स्टील, नेको, टीएसके, टीएसएम तथा अन्य इस्पात संयंत्रों के कई प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। सेल की विभिन्न इकाइयों व अन्य निजी इस्पात संयंत्रों के विशेषज्ञ प्रतिनिधियों की छह टीमों द्वारा सिंडिकेट चर्चा के साथ-साथ एक व्यापक विचार-विमर्ष सत्र आयोजित किया गया। माइन्स, सिंटर प्लाट्स, ब्लास्ट फर्नेस और ओर बेनिफिषियेषन प्लाट्स में विभिन्न प्रक्रियाओं को शामिल करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्यशाला के उद्देष्य को प्राप्त करने के साथ-साथ सिंटर प्लाट्स को और अधिक सस्टेनेबल और दक्ष बनाने की दिषा में अभिनव पहल पर विचार किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों द्वारा विभिन्न इस्पात संयंत्रों से आए प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया।

जिला अस्पताल में पहली बार टीएमजे एनकाइलोसिस की हुई सफल सर्जरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कचान्दुर का 10 वर्षीय बालक राहुल गायकवाड़ अब अपने मुँह से खाना खाने में सक्षम है। वह पिछले एक साल से ठीक से कुछ खा नहीं पा रहा था। राहुल टी.एम.जे. एनकाईलोसिस नामक बीमारी से ग्रसित था। इस बीमारी में निचला जबड़ा खोपड़ी की हड्डी से जुड़ जाता है जिससे मुँह खुल नहीं पाता। मुंह न खुलने की वजह से एनेस्थीशिया देना भी काफी जटिल प्रक्रिया भी राहुल को फाइबर ऑपटिक के द्वारा साँस की नली डाली गई।

राहुल के लिए एनकाईलोसिस से पीड़ित होने की वजह उसके दाहिने कान का 2 साल पहले पकना था जिसकी वजह से इन्फेक्शन टी.एम.जे. ज्वाईन्ट में फैल गया और पिछले 1 साल से उसका मुंह खुलना बन्द हो गया। यह सर्जरी काफी जटिल है क्योंकि ऑपरेशन के दौरान चेहरे की नसों में चोट लग सकती है जिससे चेहरा पैरालाइज भी हो सकता है। चेहरे की नसों को बचाते हुए एन्काईलोटिक मास (हड्डी का टुकड़ा) निकालना पड़ता है। दुबारा जबड़े की हड्डी खोपड़ी से जुड़ न जाए उसके लिए पेट से चर्बी निकालकर डाली गई। राहुल अभी एकदम ठीक है और उसे निगरानी के लिए कुछ दिन अस्पताल में रखा जाएगा। यह सर्जरी ओरल एवं मैक्सिलो फेशियल सर्जन डॉ. कमिनी इड्सेना ने की। डेन्टल सर्जन डॉ. शिवांशी अग्निहोत्री व ई.न.टी पीजी डॉ. अविनाश गुप्ता ने सर्जरी में सहयोग दिया। राहुल को एनेस्थीसिया डॉ. संजय वालवेन्द्र व डॉक्टर विभा ने दिया। स्टाफ नर्स शिवेन दानी, रमेश, शाईनी चेरियन, भागीरथी ने भी अहम भूमिका निभायी।

बीएसपी के मुख्य चिकित्सालय में सीपीआर जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के मुख्य चिकित्सालय में सीपीआर जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजनए 6 दिसम्बर 2023 को किया गया। यह आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवांए) डॉ एम रविन्द्रनाथ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद बिनायके, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनीता द्विवेदी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर के मार्गदर्शन में किया गया।

ज्ञात हो, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एन बी ई) ने, पूरे भारत में एक व्यापक सीपीआर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। जिसका लक्ष्य, हृदय संबंधी आपात स्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक जीवन रक्षक कौशल में दक्ष बनाना है। इस पहल में, भिलाई इस्पात संयंत्र के सेक्टर-9 स्थित, जवाहर लाल नेहरु अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र ने सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। प्रमुख स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के सहयोग से, यह पहल पूरे भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कार्यक्रम की शुरुआत जवाहर लाल नेहरु अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित, एक सामूहिक प्रशिक्षण सत्र के साथ हुई। जहां 100 से अधिक प्रतिभागियों ने सीपीआर तकनीकों पर आवश्यक जानकारी के साथ उपचार सम्बंधित व्यावहारिक दिशानिर्देश प्राप्त किए। इस प्रशिक्षण सत्र में शामिल प्रतिभागियों में, परिचारक कर्मचारी, सुरक्षा कर्मचारी, एम्बुलेंस चालक, नर्सिंग स्टाफ पैरा-मेडिकल स्टाफतथा डीएनबी रेसिडेंट्स के साथ-साथ चिकित्सा अधिकारी सम्मिलित थे।

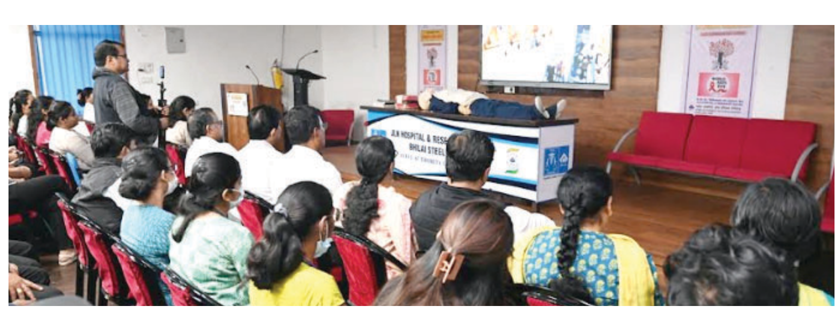

एनबीई द्वारा प्रसारित की गई प्रस्तुतिकरण के दौरान, गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली के विशेषज्ञों द्वारा, सीपीआर के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया गया। प्रस्तुति के बाद, जवाहर लाल नेहरु अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र के विशेषज्ञों, डॉ. तनुजा आनंद, डॉ. जयिता सरकार और डॉ. अमित अग्रवाल ने सीपीआर की प्रक्रिया का विस्तार से प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी देखरेख में, प्रतिभागियों को इससे सम्बंधित पुतलों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी करके दिखाया। इसके लिए प्रतिभागियों को हार्ट-अटैक के संकेतों को पहचानना, छाती पर दबाव डालने की तकनीक, बचाव के लिए कृत्रिम सांस प्रदान करना (रेस्क्यू ब्रीद) और ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफाइब्रिलेटर (एईडी) को संचालित करने का तरीका सिखाया गया।

फसल बीमा रथ को कलेक्टर ने दिखाई हरी झण्डी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना मौसम रबी वर्ष 2023-24 अंतर्गत जिले में अधिकाधिक कृषकों को बीमा अवरण में सम्मिलित करने हेतु फसल बीमा प्रचार रथ का शुभारम्भ किया गया है। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा और एवं जिला पंचायत सीईओ अश्वनी देवांगनने फसल बीमा रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर ललित मोहन भगत, उप संचालक कृषि दुर्ग, श्रीमति सुचित्रा दरबारी सहायक संचालक कृषि, दुर्ग एवं अन्य अधिकारीगण, बीमा कम्पनी एच.डी एफसी. अरगो जी आई सी. के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उप संचालक कृषि से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना मौसम रबी वर्ष 2023-24 योजना के क्रियान्वयन हेतु फसल बीमा कराने की प्रारम्भिक तिथि 06 दिसम्बर 2023 एवं अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2023 निर्धारित की गई है। योजना में गेहूँ सिंचित एवं असिंचित, चना, अलसी, सरसों इत्यादि फसलों को शामिल किया गया है। इस योजना से किसानों को प्रतिकुल मौसम, सूखा, बाढ़, ओलावृष्टी आदि प्राकृतिक आपदाओं से फसलों को होने वाले नुकसान की भरपाई में मदद मिलेगी।

ऋणी किसान: जो ऋणी कृषक इस योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी विकल्प चयन (आउटपुट) प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र रबी के लिये 24 दिसंबर 2023 तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा, अन्यथा संबंधित बैंक द्वारा संबंधित मौसम के लिए स्वीकृत/नवीनीकृत की गई अल्पकालीन कृषि ऋण को अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जायेगा। साथ ही कृषकों को अपना आधार रबी के लिए अंतिम तिथि में अथवा उससे पूर्व अपडेट कराना होगा।

अऋणी किसान: फसल लगाने वाले सभी अऋणी किसान को प्रस्ताव पत्र के साथ नवीनतम आधार कार्ड की कॉपी, नवीनतम भूमि प्रमाण पत्र (बी-1, पी-2) की कॉपी, बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिस पर एकाउंट नंबर/आईएफएससी कोर्ड/बैंक का पता साफ दिख रहा हो, फसल बुवाई प्रमाण-पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का स्वघोषणा पत्र, किसान का वैध मोबाईल नंबर एवं बटाईदार/कास्तकार/साझेदार किसानों के लिए फसल साझा/कास्तकार का घोषणा पत्र इत्यादि दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

बीमा हेतु प्रीमियम राशि दर: प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनातंर्गत आने वाली फसल हेतु प्रति हेक्टेयर ऋण मान राशि एवं प्रीमियम राशि निर्धारित है। जिसके अनुसार गेहूँ सिंचित हेतु बीमित राशि (प्रति हेक्टेयर) 35 हजार रूपए, प्रीमियम राशि प्रति हेक्ट. 1.50 प्रतिशत की दर से 525 रूपए एवं प्रीमियम राशि प्रति एकड़ 1.50 प्रतिशत की दर से 210 रूपए है। इसी प्रकार गेहूँ असिंचित हेतु बीमित राशि (प्रति हेक्टेयर) 23 हजार रूपए, प्रीमियम राशि प्रति हेक्ट. 1.50 प्रतिशत की दर से 345 रूपए एवं प्रीमियम राशि प्रति एकड़ 1.50 प्रतिशत की दर से 138 रूपए, चना हेतु बीमित राशि (प्रति हेक्टेयर) 39 हजार रूपए, प्रीमियम राशि प्रति हेक्ट. 1.50 प्रतिशत की दर से 585 रूपए एवं प्रीमियम राशि प्रति एकड़ 1.50 प्रतिशत की दर से 234 रूपए, अलसी हेतु बीमित राशि (प्रति हेक्टेयर) 16 हजार रूपए, प्रीमियम राशि प्रति हेक्ट. 1.50 प्रतिशत की दर से 240 रूपए एवं प्रीमियम राशि प्रति एकड़ 1.50 प्रतिशत की दर से 96 रूपए एवं सरसो हेतु बीमित राशि (प्रति हेक्टेयर) 23 हजार रूपए, प्रीमियम राशि प्रति हेक्ट. 1.50 प्रतिशत की दर से 345 रूपए एवं प्रीमियम राशि प्रति एकड़ 1.50 प्रतिशत की दर से 138 रूपए है। कृषकों को सूचित किया जाता है कि निर्धारित तिथि 24 दिसंबर के भीतर सभी दस्तावेज कृषि कार्यालय में जमा कराया जाना अनिवार्य है।

बौद्ध समाज ने 51 यूनिट रक्तदान किया बाबा के समानता के संदेश को दोहराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस को बुधवार को श्रद्धांजलि दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. आंबेडकर सांस्कृतिक भवन, सेक्टर-6 में कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुबह 10 बजे भवन में स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर भारतीय बौद्ध महासभा की अध्यक्ष सविता मेश्राम ने माल्यार्पण किया।

इसके बाद बुद्ध वंदना हाल में उपस्थित उपासकों ने बाबा साहेब को याद करते हुए पुष्प अर्पित कर आदरांजलि दी। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में डॉ. आंबेडकर के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए उनके स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व के संदेश को दोहराया। बाबा साहेब ने कहा था- विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करना चाहिए। जब विद्यार्थी परिश्रम, लगन, साधन के साथ ही लक्ष्य और भाषाओं पर भी ध्यान देगा तो बड़ी-बड़ी समस्याएं दूर हो सकती हैं। संचालन संस्था के महासचिव रामराव ढोक ने किया। इसके पश्चात सुबह 11 बजे भिलाई- दुर्ग के सभी बौद्ध समाज अनुयायियों और जिला चिकित्सालय दुर्ग के सहयोग से सेक्टर-6 के भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 51 लोगों ने रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। रक्तदानियों को प्रमाण पत्र देकर समाज ने सम्मानित किया। तथागत समिति भिलाई ने उन्हें फल दान किया। समता सुरक्षा सेना महिला विंग ने नारियल पानी बांटा। इससे पहले शिविर का उद्घाटन सीएमएचओ डॉ. जेपी मेश्राम ने किया।

अन्य अफसर मौजूद थे। डॉ. अंबेडकर ने संविधान में सभी को समानता का अधिकार दिया: कुरैशी छत्तीसगढ़ राज्य के पूर्व मंत्री बदरूदीन कुरैशी व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 67वीं पुण्यतिथि पर 32 बंगला में तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कुरैशी ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने 1955 में भारतीय बौद्ध महासभा की स्थापना की और 14 अक्टूबर सन् 1956 में लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950